झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 11 नवंबर, 2024 को पश्चिम सिंहभूम जिले के चाईबासा में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचने के लिए ईवीएम और अन्य चुनाव सामग्री के साथ मतदान अधिकारी हेलीकॉप्टर में सवार होते हुए।


# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:187 दिनांक:12-11-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M




महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोरों पर है। राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर निशाना साधने से नहीं चूक रही हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

## कुछ लोग देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं, हम मिलकर रोकेंगे

स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

अहमदाबाद (ईएमएस)। कुछ लोग देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं। ये समाज को जाति, धर्म, भाषा, स्त्री-पुरुष, गांव-शहर में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें मिलकर उन्हें रोकना है। यह बात सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होकर कही। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत के हजारों साल पुराने केंद्रों का गौरव लौट रहा है। जिसे सभी ने नष्ट मान लिया था वो प्रकट हो रहा है। प्रधानमंत्री ने काशी और केदारनाथ मंदिर का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने विदेशों में देश से चोरी हुई सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियां वापस लाने की भी चर्चा की। मोदी ने अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा, 500 साल बाद एक सपने का पूरा होना, यानी 500 सालों तक कितनी ही पीढ़ियों ने उस सपने को जिया है। उसके लिए जूझते रहे हैं और जरूरत पड़ने पर बलिदान भी दिए हैं।

संत समाज से स्थानीय चीजों को प्रमोट करने का आग्रह

प्रधानमंत्री ने संत समाज को स्थानीय लोगों द्वारा बनाई गई चीजों को प्रमोट करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वामी नारायण संस्था के संत समाज को वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं की मांग पूरी दुनिया में है। भारत का युवा देश ही नहीं, विश्व की जरूरतें पूरी करने को तैयार है। भारत की विशेषता है कि जब भी मुश्किलें आई तब कोई न कोई, महर्षि, महात्मा अवतरित हुए हैं। भगवान स्वामी नारायण का आगमन भी उसी समय हुआ था जब देश सैकड़ों वर्ष की गुलामी के बाद कमजोर हो चुका था। तब भगवान स्वामी नारायण और अन्य संतों ने आध्यात्मिक ज्ञान दिया। साथ ही हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया।

विदेशों में स्वामी नारायण मंदिर की शाखाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वामी नारायण मंदिर की शाखाएं भारत के अलावा विदेशों में भी हैं। मेरा सभी संतो से निवेदन है कि वे विदेशों में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के बारे में लोगों को बताएं। उन्होंने विदेश की हर एक शाखा से कम-से-कम 100 लोगों को कुंभ दर्शन के लिए लाने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होकर कही।गुजरात के खेड़ा जिले के वडताल में 7 से 15 नवंबर तक स्वामी नारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ का उत्सव मनाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने इस मौके पर 200 रुपए के चांदी का सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किया है।

## मणिपुर में सीआरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, 11 उग्रवादियों को मार गिराया

सीआरपीएफ ने जिरीबाम में मुठभेड़ के दौरान 11 उग्रवादियों को मार गिराया है। वहीं इस मुठभेड़ में सीआरपीएफ के एक जवान के भी घायल होने की सूचना है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल तक एयरलिफ्ट किया गया है। सीआरपीएफ के सूत्रों के अनुसार, उग्रवादियों ने सीआरपीएफ की टीम पर हमला किया था, जिसके बाद ये मुठभेड़ हुई है।

## दो दिन की जगह एक दिन परीक्षा कराने की मांग को लेकर 10 हजार उम्मीदवारों का प्रदर्शन

पुलिस ने लाठीचार्ज कर खदेड़ा

प्रयागराज (ईएमएस)। दो दिन की जगह एक दिन परीक्षा कराने की मांग को लेकर सोमवार को लोक सेवा आयोग कार्यालय (यूपीपीएससी) के सामने प्रदर्शन कर रहे 10 हजार उम्मीदवारों को पुलिस ने लाठीचार्ज करके खदेड़ दिया। भगदड़ मचने से कई छात्र चोटिल हो गए। उम्मीदवार आयोग के कार्यालय से थोड़ी दूर धरने पर बैठ गए हैं। छात्रों ने नारा लगाया कि बंटेंगे नहीं। न्याय मिलने तक हटेंगे नहीं।

यूपी पीसीएस और आरओ/एआरओ परीक्षा के हजारों उम्मीदवार यूपी, एमपी, बिहार समेत कई राज्यों से आयोग कार्यालय का घेराव करने पहुंचे। प्रदर्शन पहले से ही तय होने के चलते पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आयोग से करीब 500 मीटर पहले ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी थी कैंडीडेट्स आयोग तक आने पर अड़े थे, ऐसे में बैरिकेडिंग तोड़ दी। इससे हालात बेकाबू होता देख पुलिस ने लाठीचार्ज करके छात्रों को वहां से हटाया।

धांधली करने के लिए हिंसक हुई बीजेपी सरकार

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले पर कहा कि यूपीपीएससी में धांधली रोकने के लिए अभ्यर्थियों ने मांग बुलंद की तो भ्रष्ट भाजपा सरकार हिंसक हो उठी। अयोग ने पीसीएस की प्री परीक्षा सात और आठ जबकि आरओ/एआरओ की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को है। दोनों परीक्षाएं दो दिन में होंगी। आयोग ने पहली बार नॉर्मलाइजेशन यानी नॉर्मलाइज्ड स्कोर की प्रक्रिया लागू की है। छात्र इसका विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया निरस्त करते हुए परीक्षा एक ही दिन कराई जाए।

## बांग्लादेशी अल-कायदा मामले में 9 ठिकानों पर एनआईए ने मारे छापे

पटना (ईएमएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को बांग्लादेशी आतंकी समूह अल-कायदा से जुड़े देशविरोधी मामले में नौ ठिकानों पर छापे मारे। बिहार के सिवान समेत जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और असम राज्यों में एनआईए की टीमों ने तलाशी अभियान चलाया। इसमें बैंकिंग लेनदेन, मोबाइल फोन सहित डिजिटल उपकरण और आतंकी फंडिंग गतिविधियों से संबंधित अन्य सबूत एवं आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

एनआईए की जांच के अनुसार, जिन संदिग्धों के परिसरों पर छापे मारे गए, वे बांग्लादेश स्थित अल-कायदा नेटवर्क के समर्थक हैं। यह तलाशी पिछले साल बांग्लादेश स्थित अल-कायदा के गुर्गों द्वारा रची गई साजिश के पर्दाफाश से जुड़ी है। पिछले साल नवंबर में, एनआईए ने चार बांग्लादेशी नागरिकों सहित पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। एनआईए की जांच से पता चला है कि आरोपियों ने गुप्त रूप से अपनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए जाली दस्तावेज खरीदे थे। वे भारत में मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने, अल-कायदा की हिंसक विचारधारा को फैलाने, धन इकट्ठा करने और इन फंडों को अल-कायदा को हस्तांतरित करने में सक्रिय रूप से शामिल थे।

सिवान में सब्जी विक्रेता से पांच घंटे पूछताछ

एनआईए की टीम ने सोमवार की सुबह पांच बजे सिवान के सराय थाना क्षेत्र के पुरानी किला पोखरा मोहल्ले में एक सब्जी विक्रेता के घर को खंगाला। इस दौरान सब्जी विक्रेता अख्तर अली और उनके दोनों पुत्र सुहैल अली एवं आमिर अली से गहन पूछताछ की गई। घर से एक मोबाइल भी जब्त किया गया। पांच घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ के बाद एनआइए की पांच सदस्यीय टीम सब्जी विक्रेता के घर से बाहर निकली।

## कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी, अब बढ़ेगी एमपी में ठंड

श्रीनगर (ईएमएस)। कश्मीर घाटी, लद्दाख की पहाड़ी सहित मैदानी इलाकों में सीजन की पहली बर्फबारी सोमवार को हुई। इससे मध्य प्रदेश सहित उत्तर भारत में आने वाले दिनों में ठंड बढ़ सकती है। बता दें कि प्रदेश में लोग ठंड के लिए सीजन की पहली बर्फबारी का इंतजार कर रहे थे। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिन उत्तर और मध्य कश्मीर में कुछ जगह हल्की बारिश का भी अनुमान जताया है। कुपवाड़ा जिले के साधना टॉप, गुरेज, पीर पंजाल रेंज, पीर की गली, गुलमर्ग, सोनमर्ग सहित लद्दाख के जोजिला दर्रे में बर्फबारी हुई। बर्फबारी के बाद गुलमर्ग और सोनमर्ग के स्की रिसॉर्ट में पर्यटकों की भारी भीड़ देखी गई। बर्फबारी के कारण श्रीनगर और घाटी के अन्य हिस्सों में दिनभर कोहरा छाया रहा जिससे सड़क और हवाई यातायात प्रभावित हुआ। अब जल्द ही मध्य प्रदेश सहित उत्तर भारत के राज्यों में आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने का अनुमान है।

## मल्लिकार्जुन खरगे के भगवा पर विवादित बयान की संत समाज ने निंदा की

स्वामी जितेन्द्रानंद ने कांग्रेस को ऑल इंडिया चर्च कमेटी बताया

लखनऊ (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर उत्तर प्रदेश में सियासत तेज हो गई है। मल्लिकार्जुन खरगे ने योगी आदित्यनाथ के गेरुआ वस्त्र को लेकर विवादित टिप्पणी की थी, जिस पर बीजेपी और उनके सहयोगी दलों के साथ ही संत समाज ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मल्लिकार्जुन खरगे पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आरोप लग रहा है। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती ने कहा कि खरगे का बयान घटिया और निंदनीय है। उन्होंने कांग्रेस को चेतावनी दी कि अगर वह हिन्दू धर्म और सनातन संस्कृति पर हमले करना बंद नहीं करती, तो संत समाज इसका कड़ा विरोध करेगा। स्वामी जितेन्द्रानंद ने कांग्रेस को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी को ऑल इंडिया चर्च कमेटी बताया है। वहीं अयोध्या के संत स्वामी करपात्री महाराज ने भी खरगे के बयान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे के नाम में खड़ग होता है, जिसका काम होता है बांटना और काटना, जबकि योगी आदित्यनाथ का नाम योग से जुड़ा है, जिसका मतलब होता है जोड़ना। स्वामी करपात्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा हिन्दू धर्म पर हमला करने वालों का समर्थन किया है। बता दें कि मल्लिकार्जुन खरगे ने झारखंड में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और संतों को लेकर कहा था कि कई साधु अब राजनेता बन गए हैं और वे गेरुआ कपड़े पहनकर समाज में नफरत फैला रहे हैं और लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। मल्लिकार्जुन खरगे का ये बयान अब एक विवाद का रूप ले चुका है और इसे लेकर भाजपा और संत समाज की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है।

कांग्रेस ने कभी भी हिंदू धर्म का सम्मान नहीं किया

भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने भी खरगे के बयान पर हमला बोला है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इसे कांग्रेस की पुरानी मानसिकता करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास हमेशा से झूठ बोलने और समाज में दरार डालने का रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी हिन्दू धर्म और सनातन संस्कृति का सम्मान नहीं किया। कांग्रेस पार्टी की तुलना मुगल आक्रांताओं से करते हुए ब्रजेश पाठक ने तत्काल माफी मांगने के लिए कहा। वहीं भाजपा की सहयोगी पार्टी सुभासपा के प्रमुख और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

## हिंदू और सिख यात्रियों के लिए हलाल मांस नहीं परोसेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। एयर इंडिया कंपनी ने घोषणा की है कि वह हिंदू और सिख यात्रियों के लिए हलाल मांस नहीं परोसेगी। एयरलाइन ने कहा है कि मुस्लिम यात्रियों के लिए मुस्लिम भोजन के स्टिकर के साथ विशेष भोजन की पहचान की जाएगी और इस तरह के भोजन को हलाल प्रमाणपत्र के साथ परोसा जाएगा। सऊदी अरब जैसे देशों की उड़ानों, जैसे जेद्दा, रियाद, मदीना, और हज उड़ानों में भी हलाल भोजन दिया जाएगा।

कुछ दिनों पहले कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने एयर इंडिया में हिंदू और मुस्लिम भोजन के अलग-अलग लेबलिंग पर सवाल उठाए थे। उन्होंने पूछा था कि एयरलाइन में धर्म के आधार पर भोजन का वर्गीकरण क्यों किया जा रहा है। इस मुद्दे पर सोशल मीडिया और राजनीतिक मंचों पर काफी चर्चा हुई। इस फैसले के बाद एयर इंडिया ने यात्रियों के बीच इस विषय पर हो रही चर्चा का उत्तर दिया है और भोजन संबंधी अपनी नीति को स्पष्ट किया है।

## बीजेपी ने चुनाव आयोग से की राहुल गांधी की शिकायत

महाराष्ट्र चुनाव में झूठ बोलने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र चुनाव में झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेसी नेता राहुल गांधी की चुनाव आयोग से शिकायत की है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान संविधान को लेकर झूठे आरोप लगाए हैं। सोमवार को भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात कर राहुल की शिकायत की है।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि हमने चुनाव आयोग को बताया है कि महाराष्ट्र चुनाव में प्रचार के दौरान राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। छह नवंबर को भी उन्होंने झूठ बोला है। राहुल गांधी ने राज्यों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया है। उन्होंने संविधान की धज्जियां उड़ाई और झूठ बोला कि भाजपा संविधान को नष्ट करने वाली है। हमने आयोग से कहा है कि इसे रोका जाना चाहिए। हमने आयोग को यह भी बताया कि राहुल गांधी ऐसा करने के आदी हैं और चेतावनी और नोटिस के बाद भी वे ऐसा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। मेघवाल ने कहा कि हमने राहुल गांधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 353 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। बता दें कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छह नवंबर को नागपुर में कहा था कि जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा के लोग संविधान पर हमला करते हैं, तो वे सिर्फ इस किताब पर हमला नहीं कर रहे होते, वे भारत की आवाज पर हमला कर रहे होते हैं। हमारे संस्थान संविधान से बना है। अगर संविधान नहीं होगा, तो कोई चुनाव आयोग नहीं होगा। आरएसएस इस पर सीधे हमला नहीं कर सकता।

## योगी आदित्यनाथ के नारे बंटेंगे तो कटेंगेसे बीजेपी के सहयोगी दल शिंदे सेना और अजित पवार ने दूरी बनाई

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में बीजेपी भले ही बंटेंगे तो कटेंगे नारा चला रही हो लेकिन महायुति गठबंधन के साथी दल इसे लेकर सावधान हैं। अजित पवार ने पहले कह दिया था और अब एकनाथ शिंदे ने भी कहा है कि बंटेंगे तो कटेंगे वाला मामला महाराष्ट्र में नहीं चलेगा।

सीएम योगी के नारे को अजित पवार और एकनाथ शिंदे दोनों ही विभाजनकारी नारा मानकर चल रहे हैं। क्योंकि दोनों ही दलों को लगता है कि इससे उनका मुस्लिम वोटर उनसे दूर चला जाएगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे चाहते हैं कि बंटेंगे तो कटेंगे वाली लाइन पर महाराष्ट्र में राजनीति नहीं होनी चाहिए। महाराष्ट्र में बीजेपी की दोनों सहयोगी पार्टियां विभाजनकारी एजेंडे को इनकार कर रही हैं।

दरअसल एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी को महाराष्ट्र में सेकुलर वोट का साथ मिलने की उम्मीद है। ऐसे में यह नारा उसे सेकुलर वोट बैंक का समर्थन मिलने में बाधक बन सकता है। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र की पारंपरिक राजनीति में दोनों का मजबूत यकीन है और कहा जा रहा है कि सामाजिक समीकरणों में सेकुलर वोट राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिवसेना को भी बड़े पैमाने पर मिलते रहे हैं।

## रुपया सर्वकालिक निचले स्तर 84.38 डॉलर पर

- रुपया डॉलर के मुकाबले 84.37 पर बंद हुआ था

मुंबई (ईएमएस)। विदेशी पूंजी की सतत निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे टूटकर 84.38 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर सूचकांक में नरमी आने या विदेशी पूंजी की निकासी में कमी होने तक रुपये पर दबाव बने रहे के आसार हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.38 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.37 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.05 पर रहा।

## धर्म परिवर्तन में शामिल एनजीओ का एफसीआरए रजिस्ट्रेशन होगा रद्द

गृह मंत्रालय ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (ईएमएस)। धर्म परिवर्तन, विकास विरोधी गतिविधियों, आतंकवादी या कट्टरपंथी संगठनों से संबंध रखते वाले, दुर्भावनापूर्ण इरादे से विरोध प्रदर्शन भड़काने वाले ऐसे गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) का फॉरेन कॉन्ट्रिब्युशन रेग्युलेशन एक्ट (एफसीआरए) रजिस्ट्रेशन रद्द होगा। यह जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को दी। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में नोटिस जारी किया है। मंत्रालय के नोटिस के अनुसार, अगर कोई एनजीओ अपने मोटिव और टारगेट के मुताबिक विदेशी फंडिंग का उपयोग नहीं कर रहा है या उसने एनुअल रिटर्न अपलोड नहीं करता है तो उसका भी एफसीआरए रजिस्ट्रेशन रद्द किया जाएगा। कानून के मुताबिक विदेश फंडिंग पाने वाले सभी एनजीओ को विदेशी अंशदान अधिनियम के तहत रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

ऐसा न करने पर उन्हें विदेशी फंडिंग पाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा पिछले तीन वित्तीय वर्ष के दौरान समाज के कल्याण के लिए न्यूनतम 15 लाख रुपए खर्च की लिमिट को पूरा नहीं करने पर भी एफसीआरए रजिस्ट्रेशन रद्द किया जाएगा।

## विधायक अनिता भदेल के विवादित बयान पर गुर्जर समाज में आक्रोश

डाक बंगले से रैली निकालकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अजमेर (ईएमएस)। पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक अनिता भदेल की ओर से एडीए के उपायुक्त भरत राज गुर्जर पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप और विवादित बयान पर गुर्जर समाज ने नाराजगी जताई है। सोमवार को गुर्जर समाज के लोगों ने डाक बंगले से रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। गुर्जर समाज ने बताया कि 9 नवंबर को राजस्थान सरकार के मंत्री झाबर सिंह खर्रा के समक्ष विधायक अनीता भदेल ने अजमेर विकास प्राधिकरण में तैनात उपयुक्त भरत राज गुर्जर के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की और उनको भ्रष्टाचारी बताते हुए धमकी दी। एक जनप्रतिनिधि द्वारा प्रशासनिक अधिकारी के खिलाफ किया गया यह कार्य निंदनीय है। उन्होंने कहा कि विधायक द्वारा प्रशासनिक अधिकारी की जाति का उल्लेख करते हुए दुर्भावनापूर्वक संपूर्ण गुर्जर समाज को अपमानित करने का प्रयास किया गया है। अनीता भदेल की टिप्पणी से देश के गुर्जर समाज को ठेस पहुंची है। गुर्जर समाज ने ज्ञापन देकर विधायक के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

## प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में अंतर राज्यीय परिषद का पुनर्गठन

स्थायी समिति की अध्यक्षता करेंगे गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में अंतर राज्यीय परिषद का पुनर्गठन किया गया है। अंतर राज्यीय परिषद केंद्र-राज्य और अंतर राज्यीय समन्वय एवं सहयोग के लिए काम करती है। परिषद के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वहीं गृह मंत्री अमित शाह अंतर-राज्यीय परिषद की स्थायी समिति की अध्यक्षता करेंगे। परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और नौ केंद्रीय मंत्री इसके सदस्य बनाए गए हैं। साथ ही 13 केंद्रीय मंत्रियों स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं। गृह मंत्रालय से जारी अधिसूचना के अनुसार, एनडीए के सहयोगी दलों जनता दल (यूनाइटेड), जनता दल (सेक्युलर), तेलुगुदेशम पार्टी और लोक जनशक्ति पार्टी से जुड़े केंद्रीय मंत्री पुनर्गठित परिषद का हिस्सा हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि पीएम मोदी इसके अध्यक्ष होंगे। विधानसभा वाले सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री तथा विधानसभा न रखने वाले केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासक उच्चाधिकार प्राप्त समिति के सदस्य होंगे। परिषद का उद्देश्य देश में सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने और समर्थन देने के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचा बनाने के अलावा केंद्र-राज्य और अंतरराज्यीय समन्वय एवं सहयोग के लिए काम करना है। परिषद के सदस्यों में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, जगत प्रकाश नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, मनोहर लाल खट्टर, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, वीरेंद्र कुमार और राममोहन नायडू शामिल हैं। परिषद के स्थायी आमंत्रित सदस्यों में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, एस जयशंकर, एचडी कुमारस्वामी, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, जीतनराम मांझी, जुएल ओरांव, अश्विनी वैष्णव, भूपेंद्र यादव, किरेन रिजिजू, जी किशन रेड्डी, चिराग पासवान और सीआर पाटिल हैं।

स्थायी समिति का पुनर्गठन, अमित शाह करेंगे अध्यक्षता

केंद्र सरकार ने सोमवार को अंतर-राज्यीय परिषद की स्थायी समिति का पुनर्गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। समिति में 12 सदस्यों को भी शामिल किया गया है। सोमवार को इस संबंध में केंद्र की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, राजीव रंजन सिंह, वीरेंद्र कुमार और सीआर पाटिल के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, असम, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को स्थायी समिति का हिस्सा बनाया गया है।

क्या है अंतर-राज्यीय परिषद

बता दें कि अंतर-राज्यीय परिषद में केंद्र-राज्य संबंधों से जुड़े जिन मामलों पर विचार किया जाता है, स्थायी समिति उन सब पर विचार करती है। परिषद की सिफारिशों को लागू करने की प्रक्रिया पर भी इसकी नजर रहती है। इसके अलावा परिषद या इसके अध्यक्ष की ओर से भेजे गए मामलों पर भी यह विचार करती है। उल्लेखनीय है कि सरकारिया आयोग की सिफारिश के अनुरूप 28 मई, 1990 को राष्ट्रपति के आदेश के जरिये अंतर-राज्यीय परिषद का गठन किया गया था।

## प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण की अवधि 15 नवंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण की अवधि 15 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। यानी अब पात्र युवा आगामी 15 नवंबर तक प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। इससे पहले पात्र युवाओं के लिए रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल 10 नवंबर, 2024 तक के लिए खुला था।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने सोमवार को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया की समय-सीमा 15 नवंबर तक बढ़ा दी। इसके लिए योग्य उम्मीदवार आधिकारिक पोर्टल ूजे:// ज्म्हूीहेप्ज्ऱ्र्सुिदऩ्ह/त्ुग्ह के जरिए विभिन्न इंटर्नशिप पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इस योजना के तहत भारत की टॉप 500 कंपनियों में 12 महीने तक इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। इंटर्नशिप अवधि के दौरान इंटर्न करने वालों को 5 हजार रुपये का मासिक वजीफा मिलेगा। इसमें से 500 रुपये की राशि मेजबान कंपनी अपने सीएसआर फंड के माध्यम से देगी जबकि शेष राशि 4,500 रुपये सरकार मुहैया कराएगी।

इसके तहत 21-24 वर्ष की आयु के उम्मीदवार आवेदन के पात्र हैं। उम्मीदवार हाई स्कूल या हायर सेकेंडरी स्कूल पास किया हो। इसके साथ आईटीआई प्रमाणपत्र, पॉलिटेक्निक संस्थान से डिप्लोमा या बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए या बी फार्मा जैसी डिग्री होनी चाहिए।

कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अनुसार करीब 800 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस योजना की शुरुआत 2 दिसंबर से पायलट प्रोजेक्ट्स के तहत की जाएगी। इस योजना की घोषणा केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में की थी।

## छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लिए 725.62 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आज सोमवार को एक उच्च स्तरीय समिति ने राज्यों में अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण योजना के तहत छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के लिए 725.62 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक समिति ने छत्तीसगढ़ के लिए 147.76 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 201.10 करोड़ रुपये और पश्चिम बंगाल के लिए 376.76 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं। बता दें कि उच्च स्तरीय समिति में केंद्रीय वित्त मंत्री, कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष सदस्य के रूप में शामिल होते हैं।

ज्ञात रहे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आपदा प्रतिरोधी भारत के विजन को पूरा करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय ने देश में आपदाओं का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए कई पहलें की हैं। भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रणाली को मजबूत करके आपदाओं के दौरान जान-माल को होने वाले किसी भी बड़े नुकसान को रोकने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। केंद्र सरकार ने राज्यों में अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण योजना के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के तहत कुल 5000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं जिनमें से अब तक 15 राज्यों के 2542.12 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में इस वर्ष राज्यों को 21,026 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जारी की जा चुकी है। इसमें 26 राज्यों को राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) से 14,878.40 करोड़ रुपये, 15 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा शमन निधि (एनडीआरएफ) से 4,637.66 करोड़ रुपये, 11 राज्यों को राज्य आपदा शमन निधि (एसडीएमएफ) से 1,385.45 करोड़ रुपये तथा 3 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा शमन निधि (एनडीएमएफ) से 124.93 करोड़ रुपये शामिल हैं।

## तनावपूर्ण माहौल के बीच भारतीय कौंसुलेट द्वारा लगाया जाने वाला कैंप हुआ कैंसिल

कनाडा में रहने वाले हिंदुओं के बीच असुरक्षा की भावना

ओटावा (ईएमएस)। कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले के बाद से ही तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। देश में रहने वाले हिंदू समुदाय के बीच अपनी सुरक्षा को लेकर डर का माहौल है। इस कड़ी में भारतीय कौंसुलेट का एक कैंप में अलबार्टा में लगना था, लेकिन इसमें हिंसा के डर से कैंसिल किया गया। यह कैंप वैंकुवर स्थित इंडियन कौंसुलेट की ओर से लगाना था। इन घटनाओं के चलते हिंदू समुदाय के बीच डर का माहौल है। एक सर्वे के अनुसार देश के ज्यादातर हिंदुओं का कहना है कि वह अपनी सुरक्षा को लेकर डरे हुए हैं। ऐसा तब है, जब कनाडा की सरकार को लेकर वहां हिंदुओं का भरोसा कमजोर हुआ है।

पिछले दिनों हुए हिंदु मंदिर पर हमले ने चिंता को और बढ़ा दिया है। बताया जा रहा हैं कि अलबार्टा में जहां कैंप होना था, वहां खालिस्तानी प्रदर्शन करने पहुंचे थे। उन्हें स्थानीय पुलिस ने थोड़ी दूरी पर ही रोक लिया था। खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस की ओर से बयान में कहा गया था कि हम भारतीय डिप्लोमैट्स की ओर से होने वाले कैंप में बाधा पहुंचाएंगे। सिख्स फॉर जस्टिस ने कहा कि हम कनाडा में लाइफ सर्टिफिकेट कैम्पस का विरोध करते रहने वाले है। संगठन ने ग्रेटर टोरंटो एरिया में 16 और 17 नवंबर को आयोजित होने वाले कैंपों का भी जिक्र किया था।

बता दें कि टोरंटो स्थित भारतीय कौंसुलेट ने ऐलान किया था कि वह कुछ कौंसुलर कैम्पस को रद्द करेगा। उसका कहना था कि हम ऐसा फैसला इसलिए ले रहे हैं क्योंकि कनाडा की सरकार ने सुरक्षा को लेकर भरोसा नहीं दिया है। ऐसी स्थिति में हम कुछ कैंपों को रद्द कर सकते हैं। इस बीच विश्व हिंदू परिषद कनाडा के सर्वे में कहा गया है कि हिंदुओं के बीच नाराजगी है। सर्वे में कहा गया है कि 98.5 फीसदी हिंदुओं को जानकारी है कि मंदिर पर हमला हुआ है। वहीं ओंटारियो और ब्रिटिश कोलंबिया के 95 फीसदी हिंदुओं का कहना है कि इन हमलों के बाद हम सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे।

## कालिया कुमारस्वामी भाजपा से ज्यादा खतरनाक

कर्नाटक के कांग्रेसी मंत्री के विवादित बोल

बेंगलुरु (ईएमएस)। विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सीपी योगेश्वर के प्रचार के लिए खान चन्नापटना पहुंचे कर्नाटक के आवास मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी को कालिया कह दिया है। मंत्री के विवादित बोल पर जेडीएस ने विरोध जताते हुए कहा कि मंत्री का बयान नस्लवादी है। जेडीएस ने जमीर अहमद खान को मंत्रीमंडल से हटाने की मांग की है। जेडीएस ने यह भी कहा कि आपको कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, एचसी महादेवप्पा, सतीश जराकीहोली, प्रियांक खड़गे और केएच मुनियप्पा का रंग पता होना चाहिए। बता दें कि खान चन्नापटना सीट से कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) से चुनाव लड़ रहे हैं। बत दें कि खान ने रामनगर में रैली के दौरान कहा कि सीपी योगेश्वर भाजपा में चले गए थे, लेकिन वे कांग्रेस में लौट आए हैं। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी से मतभेद के कारण वे निर्दलीय चुनाव लड़े थे। बाद में वे भाजपा में गए। खान ने कहा कि योगेश्वर के पास भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। वह जेडीएस में शामिल होने के लिए तैयार नहीं थे, क्योंकि कालिया कुमारस्वामी भाजपा से ज्यादा खतरनाक था। अब योगेश्वर घर वापस आ गए हैं।

खान ने सफाई देते हुए कहा, कुमारस्वामी मुझे बौना कहते थे

खान के बयान जब तूल पकड़ने लगा तो उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी मुझे कुल्ला (बौना) कहा करते थे। मैं बहुत पहले से केंद्रीय मंत्री को करिअन्ना (काला भाई) कहता आ रहा हूं। मेरा इरादा किसी की भावना को ठेस पहुंचाने का नहीं था।

## डॉक्टर रेप-मर्डर का आरोपी चीखकर बोला-पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल ने मुझे फंसाया

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय ने पुलिस वैन की खिड़की से चीख-चीखकर कहा कि पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल ने मेरे खिलाफ साजिश रचकर मुझे फंसाया है। बता दें कि सोमवार को कोलकाता की सियालदह कोर्ट में मामले की सुनवाई शुरू हुई है। सुनवाई के बाद बाहर आते समय आरोपी ने वैन की खिड़की से कहा कि उसे फंसाया गया है। मुख्य आरोपी संजय रॉय ने एक बार फिर इस पूरी घटना के लिए ममता सरकार को दोषि बताया है। इस बार उसने विनीत गोयल का नाम लिया है, जो घटना के समय पुलिस कमिश्नर था। इससे पहले 4 नवंबर को संजय ने पहली बार ममता सरकार पर आरोप लगाया था। सियालदह कोर्ट में पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है। आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को विक्टिम की बॉडी मिली थी। 10 अगस्त को पुलिस ने संजय रॉय को गिरफ्तार किया था। बता दें कि जूनियर डॉक्टरों ने विनीत गायेल का इस्तीफा मांगा था जूनियर डॉक्टरों ने रेप-मर्डर घटना के खिलाफ 10 अगस्त से 21 सितंबर तक 42 दिन तक हड़ताल की थी। डॉक्टरों ने सरकार के सामने विनीत गोयल के इस्तीफे की मांग रखी थी। जिसे ममता सरकार ने मानते हुए 17 सितंबर को विनीत गोयल को कमिश्नर के पद से हटा दिया था।

जन हितैषी

## सुप्रीम कोर्ट के 51वेंमुख्य न्यायाधीश बने संजीव खन्ना

सुप्रीम कोर्ट के 51 वे मुख्य न्यायाधीश के रूप में संजीव खन्ना ने आज शपथ ली है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। 2014 में केंद्र में पूर्ण बहुमत की मोदी सरकार के आने के बाद संजीव खन्ना दसवें मुख्य न्यायाधीश है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा उनके नाम की सिफारिश की गई थी। संजीव खन्ना दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस देवराज खन्ना के सुपुत्र और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज एचआर खन्ना के भतीजे हैं। खन्ना परिवार के वह एक ऐसे सदस्य हैं जो न्यायपालिका के सबसे उच्च पद पर पहुंचे है। 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल किस तरह का होगा, इसको लेकर अभी से धारणा बनना शुरू हो गई है। पिछले 10 वर्षों में सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली की सबसे ज्यादा चर्चाएं हुई हैं। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान पर रखा है। विधायिका और कार्यपालिका द्वारा जो भी कार्य किए जाते हैं। गुण दोष के आधार पर न्यायपालिका का फैसला अंतिम माना जाता है। 2014 के पहले संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों को लेकर न्यायपालिका सजगता के साथ संविधान के अनुसार गुण दोष के आधार पर निर्णय करती थी। न्यायपालिका ने सत्ता पक्ष और विपक्ष को ध्यान में रखते हुए कोई निर्णय नहीं दिया। न्यायपालिका के पास जो भी मामले गए। निष्पक्षता के साथ दोनों पक्षों को सुनते हुए, संविधान के अनुरूप फैसला देने में कभी कोई कोताही न्यायपालिका ने नहीं की। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर आम जनमानस का हमेशा विश्वास बना रहा। न्यायपालिका ने अपना अंकुश सही मायने पर सरकार और कार्यपालिका पर रखा। इन्हीं के पास अधिकार होते हैं। अधिकारों के बल पर सरकार और कार्यपालिका निरंकुश होती है। इसलिए ऐसे अंकुश की जरूरत पड़ती है। सरकार जो भी कानून और नियम बनाती है। वह संविधान के अनुरूप है, या नहीं, यह देखने का काम न्यायपालिका का होता है। संविधान ने नागरिकों को जो मौलिक अधिकार दिए हैं। उसमें कटौती या कमजोर करने का अधिकार ना तो संविधान ने न्यायपालिका को दिया है। ना विधायिका को दिया है। नाही कार्यपालिका को दिया है। संविधान ने नागरिकों के समता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार, संस्कृति और शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। अनुच्छेद 32 के तहत न्यायपालिका को संवैधानिक उपचारों को बनाए रखने के लिए विशेष अधिकार दिए गए हैं। संविधान की मूल भावना है, मौलिक अधिकारों में हस्तक्षेप किए बिना सरकार कानून और नियम बना सकती है। कार्यपालिका सरकार द्वारा बनाए गए नियम और कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी तय की गई है। न्यायपालिका को संविधान मे प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार विधायिका और कार्यपालिका काम करे, इसको सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी न्यायपालिका को सौंपी गई है। 2014 के बाद की न्यायपालिका के प्रति लोगों का विश्वास लगातार कम हो रहा है। न्यायपालिका आलोचना का शिकार हो रही है। पिछले 10 सालों में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का सबसे ज्यादा हनन सरकारी कानून से हुआ है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने मौलिक अधिकारों से संबंधित कई याचिकाओं पर वर्षों सुनवाई नहीं की है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट, सरकार को विशिष्ट मानकर फैसला कर रही है। न्यायपालिका यह मानकर चलने लगी है, संसद में जो कानून सरकार द्वारा बनाए जाते हैं। उसके अनुसार न्यायपालिका को फैसला करना है। गुण दोष के आधार पर अब न्यायपालिका फैसला नहीं कर रही है। राम मंदिर के मामले में आस्था के नाम पर जमीन टाइटल के विवाद पर फैसला दिया गया। उसके बाद से न्यायपालिका द्वारा जिस तरह से फैसले दिए जा रहे हैं। उससे स्पष्ट है, न्यायपालिका यह मानकर चल रही है। सरकार जो भी नियम और कानून बना रही है, वह सही हैं। जिसके कारण संविधान मे प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है। नागरिकों को महीनो और वर्षों तक जेलों में असंवैधानिक रूप से बंद रखा जा रहा है। आर्थिक और धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर लगातार भेदभाव हो रहा है। न्यायपालिका संविधान के अनुसार गुण दोष के आधार पर फैसला न करके संसद द्वारा बनाए गए कानून और नियमों को सर्वोच्च मानकर फैसला कर रही है। भारतीय न्यायपालिका का 75 वर्षों का इतिहास है। न्यायपालिका ने 65 वर्षों तक गुण और दोष के आधार पर फैसला कर संवैधानिक जिम्मेदारी का पालन किया। नागरिकों का विश्वास अर्जित किया था। पिछले 10 वर्षों में यह विश्वास कमजोर हुआ है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट सरकार की मंशा के अनुसार मामलों की सुनवाई और निर्णय करने लगे हैं। एक तरह से न्यायपालिका केंद्र सरकार का कवच बन गई है। आम नागरिकों में यह धारणा बनने लगी है। 51वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में संजीव खन्ना नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका पर बनाकर रख पाएंगे यह आशा आज के दिन की जा सकती है। संविधान की मूल भावना के अनुरूप न्यायपालिका के निर्णय होंगे। न्यायपालिका यदि आस्था और सरकार को विशेष मानते हुए कोई फैसला करती है, तो इससे संविधान कमजोर होगा। नागरिकों के अधिकार काम होते चले जाएंगे। 51वें मुख्य न्यायाधीश संविधान और लोकतंत्र की रक्षा, नागरिकों के मौलिक अधिकारों तथा न्यायपालिका पर विश्वास बना रहे। यही सर्वोच्च प्राथमिक्ता होनी चाहिए।

# जम्मू कश्मीर में फिर 370 का राग

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नई प्रदेश सरकार ने फिर से पुराने एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इससे निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस धारा 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति दिखती थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हौसले बढ़ाने वाला ही लगता है, क्योंकि पाकिस्तान धारा 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक्र रचता रहा है। धारा 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहां के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाई दिए। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को भ्रमित करते रहते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में फिर से अलगाव के बीज रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं है, बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू कश्मीर में जब धारा 370 कायम थी, तब राज्य ने क्या खोया था, यह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थी। वर्तमान केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समरस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू कश्मीर आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगा पाने में बहुत हद तक सफल हुआ है।

वर्तमान में पूरे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के स्वर मुखरित होने लगे हैं। समान नागरिक क़ानून निश्चित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लेकिन दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाली धारा 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह धारा जम्मू कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करती है। इसके चलते कश्मीर का संविधान और ध्वज अलग हो जाएगा, जो भारत के संविधान और तिरंगा से अलग होगा। यह स्थिति डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान से अलग प्रकार की होगी। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वह बयान स्वत: ही ख़ारिज हो जाता है, जिसमें वह कहते हैं कि भाजपा संविधान फाड़कर फेंकना चाहती है। इसका एक आशय यह भी प्रादुर्भित होता है कि कांग्रेस संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस कौन से संविधान को बचाना चाहती है, यह और स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि बाबा साहब अम्बेडकर कभी भी जम्मू कश्मीर को अलग दरजा देने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने संविधान में इसको जोड़ने से इंकार कर दिया था। अम्बेडकर जी के मना करने के बाद शेख अब्दुल्ला, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास पहुंचे, जिन्होंने बाबा साहेब अम्बेडकर की भावना को दफ़न करते हुए शेख अब्दुल्ला को प्रसन्न करते हुए धारा 370 का समावेश संविधान में करा दिया। आज कांग्रेस भले ही इस बात का दम्भ भरे कि वह संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस के कार्य ऐसे लगते नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की सरकार ने ही आपातकाल लगाकर भारत के नागरिकों के सारे अधिकार छीन लिए थे, जो बहुत बड़ा संविधान विरोधी कदम था। क्योंकि उस समय आपातकाल लगाने जैसी स्थिति नहीं थी। यह सारा खेल अपनी कुर्सी को बचाने के लिए किया गया था। आपातकाल संविधान की हत्या करने जैसा ही था।

पांच वर्ष पूर्व केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाली धारा 370 और 35ए को विलोपित कर दिया। उल्लेखनीय है कि भाजपा का यह कदम किसी भी प्रकार से किसी के विरोध में इसलिए नहीं कहा जा सकता, क्योंकि भाजपा के हर घोषणा पत्र में इस धारा को हटाने की बात की। इन्हीं वादों को पूरा करने के लिए भाजपा को समर्थन मिला। जब जनता ने भाजपा के वादों को पूरा करने के लिए समर्थन दिया, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि भाजपा ने वही काम किया, जो जनता चाहती थी। अब जम्मू कश्मीर में भारत का संविधान चलता है, राज्य का अपना कोई संविधान नहीं है। इतना ही नहीं जम्मू कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। इसलिए उसके संवैधानिक अधिकार सीमित हैं। इसलिए जम्मू कश्मीर की सरकार संविधान में बदलाव करने का कोई संवैधानिक हक नहीं रखती। यह केंद्र सरकार का काम है। राज्य कोई विधेयक पारित तो कर सकता है, लेकिन वह विधेयक तब तक लागू नहीं हो सकता, जब तक केंद्र की सरकार न चाहे। इसलिए यह कहा जा सकता है कि राज्य की नवगठित सरकार का यह कदम केवल राजनीतिक लाभ के लिए है।

देश में कई विपक्षी राजनीतिक दलों ने एक साथ आकर इंडी गठबंधन बनाया है। यह गठबंधन बार बार संविधान बचाने की बात करता रहता है, लेकिन सवाल यह है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 को बहाल करने वाले विधेयक पर कोई भी बोलने को तैयार नहीं है। इसे मौन समर्थन भी माना जा सकता है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की ऐसी कौन सी राजनीतिक मजबूरी है कि जो 370 और 35ए की बहाली के लिए उनको मजबूर कर रही है। क्या इन दलों को यह पता नहीं है कि इन्हीं क़ानूनों के कारण ही कश्मीर हिन्दू विहीन हो गया है। क्या यह दल फिर से कश्मीर घाटी को उसी स्थिति में ले जाना चाहते हैं।

देश में एक समान क़ानून होना चाहिए, यह सभी चाहते हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर में इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में अगर धारा 370 बहाल हो जाती है तो निश्चित ही पाकिस्तान परस्त मानसिकता फिर से हाबी हो सकती है और जम्मू कश्मीर फिर से अलगाव की स्थिति में आ सकता है। ऐसी स्थिति न बने, इसलिए कश्मीर में भी देश का संविधान ही लागू रहे, यह समय की मांग है और यह कदम जम्मू कश्मीर के हित का भी है। ( लेखक- सुरेश हिंदुस्तानी/ ईएमएस )

# पहाड़ में कही ग्यारह दिन तो कही एक माह बाद मनती है बूढ़ी दिवाली!

बूढ़ी दीपावली एक खास पर्व है जो हिमाचल और उत्तराखंड में बेहद प्रसिद्ध है। दिवाली से 11वें दिन इस पर्व को मनाया जाता है।

ये छोटी और बड़ी दिवाली से थोड़ा अलग पर्व है। इस बार 12 से 15 नवंबर तक बूढ़ी दिवाली को मनाया जाएगा। इस दौरान लोग पटाखे नहीं जलाते हैं बल्कि 3 दिन लगातार रात को मशालें जलाकर बूढ़ी दिवाली का त्योहार मनाते हैं। कृष्ण पक्ष की अमावस्या को बूढ़ी दिवाली मनाई जाती है जिसे दिवाली के 11वें दिन मनाया जाता है।इस पर्व पर स्वांग के साथ परोकड़िया गीत, रासा, नाटियां, विरह गीत भयूरी, हुड़क नृत्य और बढ़ेचू नाच के साथ बूढ़ी दिवाली का जश्न मनाते हैं।उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में बूढ़ी दीपावली को मनाया जाता है। हिमाचल प्रदेश के गिरिपार क्षेत्र, शिमला के कुछ गांव, कुल्लू के निरमंड और अन्य कुछ पहाड़ी इलाकों में बूढ़ी दिवाली मनाई जाती है। एक अलग तरह के जश्न के साथ बूढ़ी दिवाली को मनाया जाता है।

कहते है जब भगवान राम 14 वर्ष का अपना वनवास खत्म कर आयोध्या वापस आए तो सभी ने दीपावली मनाई और खुशी में दीये जलाए। लेकिन पर्वतीय क्षेत्र काफी सुदूर था, इसलिए वहां तक भगवान राम के आने की जानकारी 11 दिन बाद लोगो को पता चली। इसकारण पर्वतीय क्षेत्रों में दीपावली का पर्व मुख्य दीपावली से 11 दिन बाद मनाया जाता है। इसे इगास दीपावली या फिर बूढ़ी दिवाली भी कहते है।जबकि

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में मुख्य दिपावली के ठीक एक माह बाद बूढ़ी दिवाली के रूप में यह पर्व मनाया जाता है। कुल्लू जिले के आनी और निरमंड में यह पर्व अनूठे रूप से मनाया जाता है। ऐसी ही परंपरा हिमाचल के अन्य जिलों सिरमौर, शिमला, जनजातीय जिला लाहुल स्पीति में भी है। आनी के धोगी गांव में देवता शमशरी महादेव के प्रति समर्पण के साथ दो दिवसीय बूढ़ी दिवाली मनाई जाती है। जबकि निरमंड में तीन दिवसीय बूढ़ी दिवाली मनाये जाने की परम्परा है।इस अवसर पर यहां मेला भी लगता है।

इस बूढ़ी दिवाली में पुरातन संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। प्रकाशोत्सव के प्रतीक के रूप में यहां पर मशालें जलाई जाती हैं, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर लोग झूमते हैं। सबसे अंत में फरवरी माह में लाहुल-स्पीति में दियाली मनाई जाती है।जिसमे प्रकाश का प्रतीक मशालें जलाई जाती हैं।लोग परोकड़िया गीत, विरह गीत भयूरी, रासा, नाटियां, स्वांग के साथ हुड़क नृत्य करके जश्न मनाते हैं। कुछ गांवों में बूढ़ी दिवाली के त्योहार पर बढ़ेचू नृत्य करने की परंपरा भी है। कई जगहों पर आधी रात को बुड़ियात नृत्य भी किया जाता है। लोग एक-दूसरे को सूखे व्यंजन मूड़ा, चिड़वा, शाकुली, अखरोट बांटकर बधाई देते हैं। यहां शिरगुल देवता की गाथा भी गाई जाती है। पुरेटुआ का गीत गाना जरूरी समझा जाता है। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के कुछ गांवों में तो इस त्योहार को पूरे एक हफ्ते तक मनाया जाता है।

इस दिवाली को देव कारज भी कहते है,रात में देवता शमशरी महादेव की पूजा करके तीन आग की मशालें जलाई जाती हैं। शमशरी महादेव के पुरोहितों द्वारा महादेव को नचाया जाता है और कांव गाए जाते हैं जिसमें किया माऊए किया काज बड़ी राजा देऊली राज देऊली वोले देऊलीए पारा ओरोऊ आई वुडिली ढेण तैसे नहीं सुना मेरा काम आदि कांव गाए जाते हैं। इन कांव गीतों को भूत पिशाच भगाने के उद्देश्य से गाया जाता हैं।बूढ़ी दिवाली उत्सव मनाने के लिए

सुबह के समय घास का एक लंबा रस्सा बनाया जाता है। जिसे मुंजी का घास कहते है, उस रस्सी के अगले सिरे में महादेव के गुर नाचते हैं और पीछे के हिस्से में बाकी लोग नाचते हैं। नांचते हुए ही मंदिर की तीन परिक्रमा की जाती हैं। उसके बाद रस्सी को काटा जाता है और उस रस्सी को लोग अपने अपने घर ले जाते हैं। कहा जाता है कि इस रस्सी के कटे हिस्से को घर में रखने से चूहे और सांप घर मे नही आते।

बूढ़ी दिवाली पर लोग देवता संग नाचते हैं। इस पर्व का रामायण और महाभारत काल से भी सम्बंध है। पर्व के दौरान हनुमान के भक्तिगीत , हनुमान-सीता संवाद, हनुमान-विभीषण संवाद और भगवान राम के वनवास से आयोध्या तक की गाथा लोकगीतों में प्रस्तुत की जाती है। कौरव और पांडव के प्रतीक के रूप में रस्साकसी भी होती हैं। मूंजी घास के रस्से से ही एक-दूसरे के साथ लोग शक्ति प्रदर्शन करते है।

जब भगवान राम ने लंका पर विजय का परचम लहराया और वे 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे तो उनके अयोध्या लौटने की खुशी में लोगों ने घी के दीये जलाए थे। तब से लेकर आज तक दिवाली के कही 11 दिन तो कही एक माह बाद पहाड़ पर लोग बूढ़ी दिवाली मनाते है। दिवाली के समय जहां दीये जलाने की रिवायत है, वहीं इन गांवों में मशालें जलाकर भी रोशनी की जाती है।इसे मंगसीर की दीपावली भी कहा जाता है।यह दीपावली टिहरी, उत्तरकाशी और देहरादून जिले के जौनसार क्षेत्र में मनाई जाती है। उत्तरकाशी के बनाल क्षेत्र में बूढ़ी दीपावली का जश्न देवलांग रूप में मनाया जाता है।

देवलांग को बनाने का अनूठा रिवाज है।एक महीने पहले लोग अपने आस-पास के जंगल में एक देवदार का सीधा, लंबा-सुडौलनुमा पेड़ की खोज करते हैं। मंगसीर महीने की दीपावली के दिन उस पेड़ को स्थानीय अनुसूचित जाति के लोग जड़ सहित ऊखाड़कर ले आते हैं। इस काम को वह लोग भूखे पेट करते हैं।

गांव में पेड़ पंहुचने के बाद लोग उसका तिलक अभिषेक करके स्वागत करते हैं।बनाल पट्टी के दो दर्जन से अधिक गांव के लोग लोक परंपरानुसार दो भागो में बंट जाते हैं, जिन्हें सांठी और पांसाई नाम से जाना जाता है। ये लोग इतने लंबे पेड़ को हाथ में लिए हुए डंडों से खड़ा करते हैं और जहां इस पेड़ को गाड़ने के लिए गड्डा बनाया होता है,वहां बिना हाथ लगाए इस पेड़ को गाड़ देते हैं,इसे ही देवलांग कहा जाता है।फिर अलग-अलग गांवों से लोग जुलूस की शक्ल में ढोल, गाजे-बाजो के साथ गीत गाते हुए, हाथ में जलती हुई मशाल लेकर वहां पहुचते हैं, जहां उस पेड़ को गाड़ा हुआ होता है।सांठी और पांसाई नामों से बंटे हुए लोगों में देवलांग की चोटी को छूने के लिए प्रतिस्पर्धा होती है। देवलांग चोटी को छूने के बाद हाथ में लिए मशाल से देवलांग को आग लगाई जाती है।

इसके बाद उत्साहित लोग हारूल, तांदी और रासौं गाकर नृत्य करते है और चूड़ा, गुड़, तिल बांटकर रातभर जश्न मनाते हैं। इस कार्यक्रम में यमुनाघाटी के 100 से ज्यादा गांवों के लोग शामिल होते हैं।

मंगसीर की दिवाली मनाने के पीछे माधो सिंह भंडारी की कथा भी है। एक समय टिहरी रियासत में वीर माधोसिंह भंडारी की किसी ने झूठी शिकायत कर दी, जिस कारण उन्हें दीपावली के दिन टिहरी राज दरबार जाना पड़ा और वापस घर लौटने में वीर माधोसिंह भंडारी को एक माह की देर हो गई।उनकी रियासत के लोगों ने अपने माधोसिंह को दीपावली के अवसर पर अनुपस्थित पाकर दीपावली को अगले महीने में धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया।वही देरी से दीपावली मनाने का एक कारण खेती-बाड़ी भी है। कार्तिक महीने में किसानों की फसल खेतों से समेटने में व्यस्तता रहती है। मंगशीर या फिर मार्गशीर्ष महीने तक लोग अपने खेती के कामों को निपटा लेते हैं और उसके बाद दीपावली के जश्न का माहौल बन जाता है। बनाल क्षेत्र के गैर गांव में देवलांग का त्योहार देखने के लिए देहरादून से नौगांव और नौगांव से राजगढ़ी वाले मोटर मार्ग से गडोली होकर गैर गांव पंहुचते है।देहरादून से यह दूरी लगभग 160 किलोमीटर है। नौगांव से बस टैक्सी इत्यादि की सुविधा गैर गांव तक मिल जाती है।यदि आप भी मुख्य दीपावली के बाद बूढ़ी दिवाली का लुत्फ उठाना चाहते है तो चले आइए पहाड़ पर ।उत्तराखंड और हिमाचल दोनो राज्यो में आप इस जश्न का हिस्सा बन सकते है। ( लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस ) ( लेखक वरिष्ठ साहित्यकार है। )

### आज का इतिहास 12 नवंबर

1781 अंग्रेजों ने नागपट्टणम पर कब्जा कर लिया।
1927 लियोन ट्राटस्की रूसी कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित किए गए।
1930 प्रथम गोलमेज सम्मेलन लंदन में हुआ।
1933 जर्मनी के चुनावों में नाजियों को भारी सफलता मिली।
1937 जापानी सैनिकों ने शंघाई चीन पर अधिकार कर लिया।
1941 द्वितीय विश्व युद्ध में सोवियत फौजों ने जर्मन फौजों को मास्को के बाहर रोक दिया।
1946 पंडित मदन मोहन मालवीय का निधन।
1948 जापान के पूर्व प्रधानमंत्री हिदेकी तोजो और अन्य नेताओं को मौत की सजा दी गयी।
1956 जानोस काडार ने हंगरी में राष्ट्र संघ शांति सेना को प्रवेश की अनुमति नहीं दी।
1965 सुरक्षा परिषद ने सभी देशों से रोडेशिया सरकार को मान्यता नहीं देने की अपील की।
1988 श्रीलंका में जातीय हिंसा में 13 व्यक्ति मारे गए।
1990 जापान में अकीहितो गद्दी पर बैठे।
1991 पूर्वी तिमोर में सैनिकों ने स्वतंत्रता समर्थकों पर गोली चलाई जिससे सैकड़ों लोग मारे गए।
1999 पश्चिमोत्तर तुर्की में भयंकर भूकंप से 300 लोगों की मृत्यु, 2400 लोग घायल व 700 इमारतें नष्ट।
2004 कांची कामकोटी पीठ के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती को तमिलनाडु पुलिस ने हत्या के मामले में गिरफ्तार किया।
2005 मधु दंडवते का निधन।

# नारे के आगे दो नारे, नारे के पीछे दो नारे

एक जमाने में फिल्म मेरा नाम जोकर के लिए हसरत जयपुरी ने एक पहेलीनुमा गीत लिखा था तीतर के आगे दो तीतर ,तीतर के पीछे दो तीतर ,बोलो कितने तीतर ? आशा भोंसले ने इस गीत को गया था और शंकर जयकिशन ने इसे संगीतबद्ध किया था। ये बात 1970 की है। आज हम 2024 के आखरी सिरे पर आ गए हैं लेकिन भारतीय राजनीति में जोकरों के लिए तीतर के बजाय नारे पहेलियाँ बन गए है। ये समझना मुश्किल है की आखिर नारों के आगे,नारों के पीछे कितने नारे हैं और कितने जोकर है।

मेरा नाम जोकर यदि आज बनाई जाती तो तय है की हसरत जयपुरी साहब को तीतर के आगे दो तीतर गीत के बोल बदलना पड़ते । वे लिखते- नारे के आगे दो नारे, नारे के पीछे दो नारे,आगे नारे ,पीछे नारे ,बोलो कितने नारे ?निश्चित रूप से ये गीत भी लोकप्रिय होता,क्योंकि आज की राजनीति में नेताओं और मुद्दों से जयदा नारे लोकप्रिय हो रहे हैं ,समूची राजनीति इन्हीं नारों पर टिकी है। जिस दल के पास नारे नहीं ,उसके वारे-न्यारे नहीं। नारे बिना रिजनिति आभूषणों बिना नारी जैसी है।

साल के जाते-जाते भारतीय राजनीति को जो सबसे ज्यादा चर्चित और हिंसक नारा मिला ,वो है - बंटोगे तो कटोगे । इस नारे के जनक हैं उत्तरप्रदेश के उत्तरदायी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। उनका ये नारा बड़ा ही कटखना है। ये नारा सबसे ज्यादा पसंद आया राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को। संघ ने इस नारे को अपनी दैनिक प्रार्थना- नमस्ते सदा वतस्ले की तरह अंगीकार कर लिया। सबसे पहले संघ के दो नंबरी नेता दत्तात्रय होंसबोले ने इस नारे के आगे समर्पण किया। उन्हें शायद आत्मग्लानि हुयी की इतना मारक नारा उनकी नागपुर की फैक्ट्री में क्यों नहीं गढ़ा गया ? कहते हैं कि योगी के नारे कि गूँज कनाडा में सुनाई दे रही है । उनका नारा बंटोगे तो कटोगे अब वैवाहिक निमंत्रण पत्रों पर भी लिखवाया जा ने लगा है।

योगी जी के इस इस नारे की नाव पर सवार होकर भाजपा हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों में उतरी । हरियाणा में तो इस नारे से भाजपा की नाव चुनावी वैतरणी पर कर गयी लेकिन जम्मो-कश्मीर में डूब गयी। जम्मू-कश्मीर में कुछ और चला। इस खंडित सूबे में न कोई कटा और न कोई बटा ,लिहाजा भाजपा के हाथ सत्ता नहीं लगी। लेकिन न भाजपा निराश हुयी और न माननीय योगी जी। भाजपा,संघ और योगी जी इसी नारे को लेकर महाराष्ट्र और झारखड विधानसभा के चुनाव में जा कूदे। लेकिन यहां योगी की के इस नारे को अंगीकार नहीं किया गया। भाजपा के सहयोगी एनसीपी के अजित पंवार ने ही इस नारे का विरोध कर दिया । उद्धव ठाकरे की शिव सेना भी इस नारे के खिलाफ मुखर हुई तो प्धानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी को दखल करना पड़ा।

माननीय मोदी जी तो राजनीती में नए नारों के जनक हैं,हालाँकि उनसे पहले श्रीमती इंदिरा गाँधी गरीबी हटाओ जैसे अति लोकप्रिय नारे लगा चुकी थी और जनता से लगवा चुकी थीं ,लेकिन न गरीब हटे और न गरीबी । उलटे आज देश में 85 करोड़ गरीब मोदी सरकार के हिस्से में है। सबको पांच किलो अन्न मुफ्त में देना पड़ रहा है । मोदी जी भी इंदिरा जी के बताये रस्ते पर चलकर न गरीबी का उन्मूलन कर रहे हैं और न गरीबों का । हालांकि उनका दावा रहता है की उनकी सरकार ने 10 साल में 25 करोड़ गरीबों को गरीबी की रेखा से बाहर निकाला है।

बहरहाल बात नारों की चल रही था। योगी जी के नारे को महाराष्ट्र में लड़खड़ाता देख मोदी जी इसी नारे को नए पैकिंग में लेकर नमूदार हुए। उनका नारा है - एक रहोगे तो सेफ रहोगे । मोदी जी का नारा गांधीवादी नारा है या गोलवलकरवादी नारा अभी तक कम से कम मै तो तय नहीं कर पाया हूँ ।

महाराष्ट्र की जनता इस नारे से कितनी प्रभावित हुयी है ये भी कहना कठिन है। मोदी जी के इस नारे के जबाब में उद्धव ठाकरे की शिव सेना ने कहा कि महाराष्ट्र तभी तक सेफ है जब तक की यहां भाजपा सत्ता से बाहर रहेगी। झारखण्ड में भी कमोवेश मोदी जी और योगी जी का नारा कारगार होता नहीं दिखाई दे रहा। भविष्य में हो जाये तो मै इसकी गारंटी नहीं दे सकता या ले सकता।

योगी जी के नारे के जबाब में उत्तरप्रदेश के उत्तरदायी समाजवादियों ने एक नया नारा गढ़ा है। हर नारे का अपना व्याकरण है । अपनी धार है। अपना असर है। आज की सियासत में मुद्दे नहीं बल्कि नारे प्रधान होते हैं। बिना नारों के सियासत एक कदम आगे नहीं बढ़ सकती। जो राजनीतिक दल नया नारा नहीं गढ़ सकता उसे सत्ता भी आसानी से हासिल नहीं हो सकत। मेरा नाम जोकर ब्रांड राजनीति में जोकरों की और नारों की कोई कमी नहीं है । हर दल में जोकर है। हर दल के अपने नारे हैं। नारे लगाने वाले है। नारे लगवाने वाले हैं। यानि जिधर देखो उधर केवल नारे ही नारे नजर आते हैं ,सुनाई देते है। नेता और जनता मुद्दों को भूल नारों के भंवर जाल में फंस गयी है।

कभी-कभी मुझे लगता है कि इस देश को डिक्शनरी के एक और नए संस्करण की जरूरत है। इस डिक्शनरी में केवल और केवल नारे ही नारे समाहित किये जाएँ । पूरब से पश्चिम तक के नारे । कन्या कुमारी से कश्मीर तक के नारे । हिंदी नारे,पंजाबी नारे ,उड़िया नारे ,गुजराती नारे ,तमिल नारे ,मलयाली नारे ,तेलगू नारे ,मराठी नारे ,झारखंडी नारे। हर दल का एक नारा होना ही चाहिए। बिन नारा सब सून है भाई !नारा है तो सियासत है और सियासत है तो नारे हैं। नारों का भी वर्गीकरण किया जाना चाहिये । जैसे स्थानीय नारे,प्रांतीय नारे और राष्ट्रीय नारे। अंतर्राष्ट्रीय नारों की एक अलग श्रृंखला हो सकती है । जैसे पिछले दिनों अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान तरह -तरह के नारे सुनने में आये थे ।

आजादी के बाद की पीढ़ी को पढ़ाया गया था कि भारत एक कृषि प्रधान देश है लेकिन 2014 के बाद मिली असली आजादी ड बकौल कंगना रनौत क़े बाद की पीढी को पढ़ाया जा हां है कि - भारत एक नारा प्रधान देश है। कृषि उत्पाद तो हम आयात भी कर सकते हैं लेकिन हमें नारे एकदम स्वदेशी चाहिए। आत्मनिर्भरता के लिए सब कुछ स्वदेशी होना चाहिए ,खास तौर पर सियासी नारे। इस देश को नारा आधारित राजनीति से कब मुक्ति मिलेगी ? ये मै तो नहीं बता सकता। कोई ज्योतिषी बता सके तो उसके मुंह में घी-शक्कर। वैसे आपको याद होना चाहिए कि नारा हर युग में प्रभावी रहा है। आजादी के पहले महात्मा गाँधी की आंधी के समय करो या मरो के नारे ने जनता को एक किया था। अंग्रेजों को खदेड़ा था। ये शाकाहारी नारा था। अब देखना है कि योगी जी का नारा इस देश से मुसलमानों ,बांग्लादेशी,मयंमार के घुसपैठियों को खदेड़ पायेगा या नहीं ? जय श्रीराम। ( लेखक-राकेश अचल/ईएमएस )

### शब्द पहेली - 8185



**बाएँ से दाएँ**

1.निशा,रात (उर्दू-2)
4.ताला (अंग्रेजी-2)
6.दुलारा,लाडला-2
7.बढ़ावा,समर्थन-2
9.निवास,घर,नीड़-3
12.कमी-3
14.पनाह,आश्रय-3
16.अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17.सज्जनता,सभ्यता-4
18.गिरवी रखी वस्तु-3
20.एक राशि-3
22.दबाव (अंग्रेजी-3)
24.कुल,मुनाफा-2
26.उम्मीद,आशा-2
27.मादा का विलोम-2
28.आगमन-2

**ऊपर से नीचे**

1.मदिरा,मय-3
2.ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3.सम्मान,प्रसिद्धि-2
5.डोली उठाने वाले-3
6.वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8.अधिकार-2
10.सेनापति,कप्तान-2,3
11.पति की मां-2
13.आत्मबलिदानी -5
14.कद काठी-3
15.रसद,किराणा-3
19.प्रत्येक-2
20.मैला,अस्वच्छ-3
21.मिट्टी,धूल-2
22.छापाखाना-2
23.जिव्हा,जीभ-3
25.सम्मान-2
26.फलों का राजा-2

शब्द पहेली -8184 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

## खेल-समाचार

## गंभीर ने कहा पोंटिंग हमारी नहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम की चिन्ता करें

मुंबई ( ईएमएस )। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भारतीय टी के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के फार्म को लेकर टिप्पणी के लिए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को करारा जवाब दिया है। गंभीर ने कहा कि पोंटिंग हमारी नहीं बल्कि अपनी टीम की चिन्ता करें। पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम की कारारी हार के साथ ही सीनियर खिलाड़ियों के फ्लॉप शो पर भी सवाल उठाए थे।

वहीं इससे पहले रोहित शर्मा सहित अपने सीनियर खिलाड़ियों ने भी कहा था कि पोंटिंग को ऑस्ट्रेलियाई टीम के बारे में बात करनी चाहिए। रोहित और कोहली दोनों ही न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू सीरीज में असफल रहे थे। रोहित ने छह पारियों में एक अर्धशतक सहित केवल 91 रन बनाए जबकि कोहली ने 93 रन बनाए, जिनमें से 70 रन बेंगलुरु में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में बनाये।

गंभीर ने कहा, पोंटिंग को भारतीय क्रिकेट नहीं अपने यहां के बारे में बात करनी चाहिए। साथ ही कहा कि विराट और रोहित अभी भी खेल को लेकर जुनूनी हैं और वह अपने करियर में अभी और अधिक आगे जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, वे सफलता चाहते हैं और पिछले कुछ साल में देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे उम्मीद है कि वे इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करेंगेहै। गंभीर ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाजों की फॉर्म पर सवाल उठाना ठीक नहीं है। मुख्य कोच ने कहा, रोहित और विराट के लिए मुझे किसी भी तरह की चिंता नहीं है। वे मजबूत खिलाड़ी हैं और उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ हासिल किया है और आगे भी ऐसा करते रहेंगे।

## इंग्लैंड ने दूसरे टी20 में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराया,सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

बारबाडोस ( ईएमएस )। इंग्लैंड ने दूसरे टी20 मेजबान वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली है। इंग्लैंड की जीत में जोस बटलर 83 और विल जैक्स 38 की अहम भूमिका रही। इस मैच में इंग्लैंड को जीत के लिए 159 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से पूरा कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए हालांकि इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर में ही फिल सॉल्ट का विकेट खो दिया। साल्ट के आउट होने के बाद कप्तान जॉस बटलर ने विल जैक्स ने पारी संभाली। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट लिये 128 रनों की साझेदारी की। जैक्स ने 38 रनों की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया और वह रोमारियो शेफर्ड का शिकार बने। शेफर्ड ने ही बटलर का भी विकेट लिया। बटलर ने 45 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के के साथ ही 83 रन बनाये थे। लियम लिविंगस्टन 23 जबकि जेकब बेथेल तीन रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 14.5 ओवर में तीन विकेट पर 161 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से शेफर्ड ने दो विकेट जबकि अकील हुसैन ने एक विकेट लिया। इससे पहले टॉस जीतकर इंग्लैंड ने मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआत में ही अपने तीन विकेट खो दिये। ब्रैंडन किंग एक,एविन लुइस 8 और रॉस्टन चेज 13 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं 11वें ओवर में लियम लिविंगस्टन ने निकोलस पूरन को 14रनों पर आउट कर दिया। कप्तान रोवमन पॉवेल ने 41 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की सहायता से सबसे अधिक 43 रन बनाये। इस प्रकार वेस्टइंडीज ने 20 ओवरों में आठ विकेट पर 158 रन बनाए। वहीं इंग्लैंड की ओर से साकिब महमूद, लियम लिविंगस्टन और डैन माउजली ने दो-दो जबकि आदिल रशीद और जोफ्रा आर्चर ने एक-एक विकेट लिया।

## रोहित पहले टेस्ट में नहीं खेले तो बुमराह करेंगे कप्तानी : गंभीर

मुंबई ( ईएमएस )। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि अगर कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में नहीं खेल पाते हैं तो उपकप्तान जसप्रीत बुमराह को ये जिम्मेदारी निभाएंगे। तो इस मैच की कप्तानी जसप्रीत बुमराह करेंगे। दोनो ही टीमों के बीच पहला टेस्ट पर्थ में 22 नवंबर से खेला जाएगा। इस प्रकार की खबरें हैं कि रोहित निजी कारणों से पहले टेस्ट से बाहर रहेंगे। इसी के बाद से ही ये तय माना जा रहा है कि बुमराह इस मैच में कप्तानी करेंगे।

गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले कहा , फिलहाल रोहित के न खेलने को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है। उम्मीद है कि वह उपलब्ध होंगे पर अगर रोहित उपलब्ध नहीं होते हैं तो हम पहले टेस्ट के करीब आकर फैसला करेंगे। साथ ही कहा कि हम सर्वश्रेष्ठ संभावित अंतिम ग्यारह में उतरने का प्रयास। माना जा रहा है कि रोहित की जगह पर अभिमन्य ईश्वरन को शामिल किया जा सकता है।

गौरतलब है कि बुमराह ने इससे पहले 2022 में बर्मिंघम के एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी। उस समय कोरोना महामारी के चलते रोहित को मैच खेलने से बाहर कर दिया गया था। जब गंभीर से पूछा गया कि रोहित की अनुपस्थिति में कप्तान की भूमिका कौन निभाएगा तो उन्होंने कहा, बुमराह उपकप्तान हैं और अगर रोहित उपलब्ध नहीं हैं तो वही टीम की कमान संभालेंगे। गंभीर ने बल्लेबाजी क्रम में में किसी भी स्थान पर अच्छा प्रदर्शन करने में केएल राहुल को योग्या बताया है। उन्होंने कहा, आप अनुभवी खिलाड़ियों के साथ भी जा सकते हैं। मुझे लगता है कि यह एक व्यक्ति की खूबी है कि वह वास्तव में शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है। आप तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं, और वह वास्तव में छठे स्थान पर भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए आपको इस तरह के काम करने के लिए काफी प्रतिभा की आवश्यकता होती है, और उन्होंने एक दिवसीय प्रारूप में विकेटकीपिंग भी की है। गंभीर ने कहा, कितने देशों के पास राहुल जैसे खिलाड़ी हैं जो सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरने के अलावा छठे नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि अगर जरूरत पड़ी तो वह हमारे लिए यह काम कर सकते हैं।

## भारत के टीम भेजने से इंकार के बाद पीसीबी प्रमुख ने की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक

सभी विकल्पों पर कर रहे विचार

कराची ( ईएमएस )। भारतीय टीम के चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान दौरे से इंकार करने के बाद से ही पाक क्रिकेट बोर्ड ( पीसीबी ) प्रमुख मोहसिन नकवी की परेशानी बढ़ गयी है। अब वह इस मामले में विकल्पों को देखने के लिए सरकारी अधिकारियों से बात कर रहे हैं। नकवी ने भविष्य की कार्रवाई पर विचार के लिए रविवार को वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ बातचीत की। पीसीबी ने इस बात को माना है कि भारतीय बोर्ड ने अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इंकार कर दिया है और उसने ये बात अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ( आईसीसी ) को भी दी है। वहीं नकवी ने कहा कि पीसीब इस टूर्नामेंट के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' की योजना को स्वीकार नहीं करता है। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, '' नकवी, जो संघीय आंतरिक मंत्री भी हैं. वह सरकारी अधिकारियों के संपर्क में हैं और अब इंतजार इस बात का है कि प्रधान मंत्री शाहबाज शरीफ इस मामले में क्या कार्रवाई चाहते हैं। ''

इस अधिकारी ने कहा कि हमने सभी टीमों को पूरी सुरक्षा देने का आश्वासन दिया था। उसके बाद भी भारतीय टीम का यात्रा नहीं करना निराशाजनक है। उन्होंने कहा, '' भारत द्वारा फिर से पाकिस्तान में अपनी टीम भेजने से इनकार करने का कोई वास्तविक कारण नहीं है। इस आयोजन की तैयारियां तय कार्यक्रम के अनुसार चल रही हैं और हमने पहले ही आईसीसी को भारत सहित सभी टीमों के लिए शीर्ष स्तर की सुरक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया था।'' इस अधिकारी ने माना कि अगर भारत सभी मैचों के बहिष्कार पर कड़ा रुख अपनाता है तो पाक बोर्ड को आर्थिक नुकसान होगा। वहीं इस बीच अटकलें हैं कि पाक सरकार पीसीबी को निर्देश दे सकती है वह चैंपियंस ट्रॉफी से शुरू होने वाले किसी भी आईसीसी या अन्य बहु-टीम आयोजनों में भारत के खिलाफ तब तक खेलना बंद कर दे जब तक भारत सरकार उसके साथ नहीं खेलती है। पाक क्रिकेट जगत और कई पूर्व कप्तान भी भारतीय टीम के यात्रा नहीं करने के फैसले से नाराज है।

## फर्ग्यूसन की हैट्रिक से जीती न्यूजीलैंड

दांबुला ( ईएमएस )। लोकी फर्ग्यूसन की शानदार हैट्रिक से न्यूजीलैंड की टीम ने श्रीलंका को दूसरे टी20 में 5 रनों हराकर दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। इस सीरीज का पहला मैच मेजबान श्रीलंकाई टीम ने जीता था। इस मैच में जीत के लिए मिले 108 रन के छोटे से लक्ष्य को श्रीलंकाई टीम हासिल नहीं कर पायी और 103 रन ही बना पायी। फर्ग्यूसन ने दो मैचों की सीरीज के अंतिम मुकाबले में हैट्रिक लगायी जबकि उन्हें दो ओवर ही मिले थे। इस 2 ओवर में उन्होंने केवल 7 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। फर्ग्यूसन ने इस हैट्रिक के साथ ही एक विशिष्ट क्लब में जगह बनायी। अब फर्ग्यूसन न्यूजीलैंड की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में ये उपलब्धि हासिल करने वाले 5वें गेंदबाज बन गए हैं। इस मैच में मेजबान श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का आमंत्रण दिया पर वानिंदु हसरंगा की शानदार गेंदबाजी के सामने कीव टीम टिक नहीं पायी।

# शेयर बाजार में सपाट कारोबार

सेंसेक्स में तेजी, निफ्टी में गिरावट

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को सोमवार को सपाट बंद हुआ। दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही आज आईटी और वित्तीय शेयरों में तेजी रही जिससे बाजार संभल गया। वहीं कंपनियों की दूसरी तिमाही के कमजोर परिणामों और विदेशी निवेशकों की लगातार जारी बिकवाली से निवेशकों में डर बना हुआ था।

बाजार जानकारों के अनुसार बाजार में भारी उतार-चढ़ाव से भी निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। विदेशी निवेशकों की बिकवाली से आज बाजार पर दबावा पड़ा और वह नीचे आया । दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.01 फीसदी करीब 9.84 अंक ऊपर आकर 79,496.16 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.03 फीसदी तकरीबन 6.90 अंक नीचे आकर 24,141.30 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 30 कंपनियों के शेयर आज नीचे आये।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 4.33 फीसदी उछलकर बंद हुआ। इसके अलावा इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, टाइटन और एचडीएफसी सहित एक्सिस बैंक के शेयरों में बढ़ रही।

दूसरी ओर एशियन पेंट्स के शेयर 8 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। साथ ही टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, सनफार्मा, रिलायंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर भारती एयरटेल के शेयर भी गिरे। आईटी, वित्तीय और बैंकिंग को छोड़कर सभ अन्य शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी आईटी, फाइनेंशियल और बैंकिंग (बैंक निफ्टी, प्राइवेट बैंक और पीएसयू बैंक) को छोड़कर सभी सेक्टर गिरावट पर बंद हुए। निफ्टी हेल्थकेयर, मेटल और मीडिया इंडेक्स 1 फीसदी से अधिक नीचे आया।

एशियन पेंट्स का शेयर आज 8 फीसदी से अधिक टूटा। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट दूसरी तिमाही के परिणाम जारी करने के बाद आई है। एशियन पेंट्स की ओर से कहा गया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका लाभ 43.71 फीसदी की गिरावट के साथ 693.66 करोड़ रुपये रह गया।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत में गिरावट के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 418.99 अंक नीचे आकर 79,067 पर खुला, जबकि निफ्टी में 112.10 अंक की गिरावट के साथ ही 24,036 पर कारोबार की शुरुआत हुई। वहीं पिछले कारोबारी सत्र शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखी गई थी।

# अमेरिका में ट्रंप के जीतते ही, बांग्लादेश में सक्रिय हुई शेख हसीना की पार्टी

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को गिरने के करीब तीन महीने हो चुके हैं। लेकिन आज भी वहां के हालात कमोबेश वैसे ही हैं। पहले बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने बवाल किया। उसके बाद बीएमपी के हजारों कार्यकर्ताओं ने ढाका में रैली निकाली और नए सिरे से चुनाव कराने व त्वरित सुधारों की मांग की। लेकिन अब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग अंतरिम सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। इसी कड़ी में ढाका में आवामी लीग के कार्यकर्ताओं व समर्थकों पर पुलिस ने सख्ती दिखाई है। बांग्लादेश की सेना ने उनके प्रदर्शन से पहले सैकड़ों कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया है।

आवामी लीग के कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए बांग्लादेश की सेना-पुलिस स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों ने कई इलाकों में बड़ा जमावड़ा किया हुआ है। बीएनपी और जमात ने घोषणा की है कि वे आवामी लीग को प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने वाले है। ढाका पुलिस ने उन्हें विरोध रैली आयोजित करने की अनुमति नहीं दी है। देशभर में सेना की191टुकड़ियां तैनात की गई है। वहीं इस बीच चेतावनी भी दी है कि आवामी लीग को विरोध मार्च आयोजित करने की अनुमति नहीं होगी। अवामी लीग को फासीवादी करार देकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा कि वह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी को नियोजित रैली आयोजित करने की अनुमति नहीं देगी।

मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि अंतरिम सरकार देश में किसी भी हिंसा या कानून व्यवस्था को तोड़ने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी।

# भारत-रूस के बीच पैंटिर डिफेंस सिस्टम के लिए समझौता

इसका ट्रैकिंग सिस्टम हवा में 36 किमी दूर का भी टारगेट ट्रेक करने में सक्षम

नई दिल्ली( ईएमएस )। भारत के एअर डिफेंस सिस्टम को और मजबूत बनाने के लिए भारत डाइनैमिक्स लिमिटेड ने रूस के नई डील की है। ये डील एडवांस पैंटिर एयर डिफेंस मिसाइल गन सिस्टम के लिए रूस सरकार के नियंत्रण वाली हथियार एक्सपोर्ट करने वाली कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ की गई है।

पैंटिर एयर डिफेंस सिस्टम वर्सेटाइल मोबाइल प्लेटफॉर्म है, जो आर्मी बेस और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को हवाई हमलों से बचाने के लिए डिजाइन किया गया है, इसमें एयरक्राफ्ट, ड्रोन और सटीक निर्देशित युद्ध सामग्री शामिल है। इसमें एडवांस रडार और ट्रैकिंग सिस्टम है। जो 36 किमी दूर और 15 किमी की ऊंचाई तक के टारगेट का पता लगाने और अटैक करने की सक्षम है। दोनों देशों के बीच ये इस डिफेंस सिस्टम के लिए समझौता गोवा में आयोजित 5वें भारत-रूस इंटर गवर्नमेंटल कमिशन सबग्रुप मीटिंग के दौरान हुआ।

डील मेक इन इंडिया इनिशिएटिव का हिस्सा

बीडीएल और आरओई का टारगेट पैंटिर वैरिएंट के मैन्यूफैक्टरिंग, टेक्नॉलिजी ट्रांसफर और जॉइंट डेवलपमेंट के लिए नए रास्ते तलाशना है। ये मेक इन इंडिया इनिशिएटिव के तहत डिफेंस प्रोडक्शन में सेल्फ डिपेंड होने के लिए भारत के टारगेट में शामिल है।

भारत ने साइन की थी 5 अरब डॉलर की डील

भारत ने 2018 में रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए डील की थी। इस डील के तहत अगले 5 सालों में भारत को ये सभी एयर डिफेंस सिस्टम मिलने थे। भारत को अभी तक रूस ने सिर्फ 3 ही एयर डिफेंस सिस्टम भारत को दिए है। अभी भी 2 एस-400 भारत को मिलना बाकी हैं। इसके पीछे की एक बड़ी वजह यूक्रेन जंग को माना जा रहा है, जिसके चलते एयर डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी में देरी हो रही है।

# आरबीआई फरवरी 2025 में ब्याज दरों में मामूली कटौती करेगा!

- अमेरिका समेत दुनिया के कुछ सेंट्रल बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती शुरू की

मुंबई (ईएमएस)। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के अध्यक्ष सीएस सेट्टी को उम्मीद है कि आरबीआई फरवरी 2025 में ब्याज दरों में मामूली 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती करेगा। उन्होंने कहा, हमारे मानना है कि ब्याज दर में पहली कटौती अगले साल फरवरी में संभव है। ऐसे में ग्राहकों को बैंक बचत योजनाओं पर मौजूदा ब्याज दरों के हिसाब से रिटर्न मिलता रहेगा, लेकिन बैंक से लोन लेने वाले लोगों को ब्याज दरों में कटौती के लिए फरवरी तक इंतजार करना पड़ सकता है।

एसबीआई चेयरमैन ने कहा कि बैंक सेविंग स्कीम्स पर ब्याज दरें अपने चरम पर हैं। दरअसल, अमेरिका समेत दुनिया के कुछ सेंट्रल बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती के सिलसिले को शुरू कर दिया है लेकिन आरबीआई ने अब तक पॉलिसी रेट में कोई बदलाव नहीं किया है इसलिए माना जा रहा है कि आगामी मॉनेटरी पॉलिसी में रिजर्व बैंक इस पर कोई ऐलान कर सकता है।

हालांकि, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि जब तक महंगाई नियंत्रण, रिजर्व बैंक की तय सीमा में नहीं आती है, पॉलिसी रेट में कोई बदलाव नहीं होगा। हाल ही में अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की थी।

अब ब्याज दर 4.50 फीसदी से 4.75 फीसदी के बीच रहेंगी। इससे पहले 18 सितंबर को फेड ने इंटरेस्ट रेट्स में 50 बेसिस प्वाइंट्स घटाया था। बता दें कि फेडरल रिजर्व ने मार्च 2020 बाद सितंबर 2024 में इंटरेस्ट रेट्स में कटौती की थी। अब आरबीआई की आगामी बैठक में ब्याज दरों को कटौती को लेकर नजरें टिकी हुई हैं।

## सरकार ने हिंदुस्तान जिंक में 1.6 फीसदी हिस्सा बेची

मुंबई (ईएमएस)। सरकार ने हिंदुस्तान जिंक ?लिमिटेड में ऑफर फार सेल के माध्यम से 1.6 फीसदी हिस्सा बेचकर 3,449 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। इस बिक्री में कुल 5.28 करोड़ शेयर बेचे गए हैं। संस्थागत निवेशकों ने 3,400 करोड़ रुपये के लिए बोली लगाई है। खुदरा निवेशकों ने इसमें कम बोली लगाई है। हिंदुस्तान जिंक में सरकार की हिस्सेदारी 29.54 फीसदी है। सरकार ने अब तक बिक्री के माध्यम से कंपनियों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचकर 8,625 करोड़ रुपये जुटाए हैं। जीआईसी के ओएफएस के माध्यम से जुटाए गए 2,346 करोड़ रुपये और कोचीन शिपयार्ड से 2,015 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह नवम्बर तक चालू वित्त वर्ष में आया है। देश का कोयला आयात अप्रैल से सितंबर के बीच 7.8 फीसदी बढ़कर 140.60 टन प्रति पहुंच गया है। यह एक साल पहले समान अवधि में 130.34 टन था। कंपनी ने बताया कि सितंबर में आयात 10.09 फीसदी घटकर 19.42 टन रह गया है।

# बार में बैठे लोगों पर बंदूकधारियों ने बरसाई गोलियां, दस की मौत

क्वेरेटारो, (ईएमएस)। मध्य मेक्सिको में बंदूकधारियों ने गोलीबारी कर दस लोगों की जान ले ली और सात को घायल कर दिया। यह हमला शनिवार को क्वेरेटारो में हुआ था। शहर के सार्वजनिक सुरक्षा प्रमुख ने इस हमले और हताहतों की संख्या की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि हमले के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज सोशल नेटवर्क पर प्रसारित किए गए हैं। इनमें नजर आ रहा है कि चार लोग एक बार में घुसे और वहां बैठे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं। वीडियो में लोग खुद को बचाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। क्वेरेटारो के गवर्नर ने हमलावरों को सख्त सजा देने का संकल्प लिया और कहा कि मारे गए लोगों के परिवारों को सहायता प्रदान करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

# सूडान में गांव पर अर्धसैनिक बल के हमले में 11 की मौत, 18 घायल

पोर्ट सूडान, (ईएमएस)। सूडान में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमले में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग घायल हो गए। ये हमला देश के गेजिरा राज्य के अल होदुर गांव में हुआ। मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी देश के गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) ने दी।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि आरएसएफ ने गांव के स्वास्थ्य केंद्र और घरों में लूटपाट की और लोगों को मौत के घाट उतार दिया। मरने वालों में में बच्चे भी शामिल हैं। मानवाधिकार उल्लंघनों पर निगरानी रखने वाले समूह ने बताया कि एक अलग घटनाक्रम में, अल हिलालिया शहर में मरने वालों की संख्या 300 से ज्यादा हो गई है। यह शहर भी गेजिरा राज्य में आता है इस शहर में पिछले 17 दिनों से अर्धसैनिक ग्रुप ने घेराबंदी कर रखी है। समूह ने कहा कि बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों सहित 300 से ज्यादा नागरिकों को आतंकवादी गिरोहों ने मार डाला है। आरएसएफ ने अल हिलालिया में हुई हिंसा पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

स्थानीय कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवी समूहों ने आरएसएफ पर आरोप लगाया है कि उसने 20 अक्टूबर को अपने क्षेत्रीय कमांडर के सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद पूर्वी गेजिरा में हमले किए। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने पिछले सप्ताह बताया था कि 30 से ज्यादा गांवों और कस्बों में बढ़ती हिंसा के कारण गेजिरा राज्य में करीब 135,400 लोग विस्थापित हुए हैं। बता दें कि सूडान अप्रैल 2023 के मध्य से एसएएफ और आरएसएफ के बीच संघर्ष में उलझा हुआ है। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन और इवेंट डाटा प्रोजेक्ट ने 14 अक्टूबर को बताया कि जारी हिंसा ने 24,850 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

# ट्रंप के खिलाफ पोस्ट करने वाले शख्स ने परिवार के 4 सदस्यों का कत्ल किया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पोस्ट करने वाले शख्स ने परिवार के 4 सदस्यों का कत्ल कर और फिर आत्महत्या कर ली। शख्स ने परिवार के 4 लोगों की गोली मारकर जान ली थी।

रिपोर्ट के अनुसार 7 नवंबर को यह मामला सामने आया, जब अमेरिका के मिनेसोटा स्थित घर से शव बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि आरोपी की एक्स पार्टनर एरिन अब्राम्सन और उसके बेटे जैकब नेफ्यू का शव बरामद हुआ था। साथ ही पड़ोस के ही एक अन्य अपार्टमेंट से उस शख्स की पत्नी कैथरीन नेफ्यू और उसके बेटे ओलिवर नेफ्यू का शव बरामद हुआ।

इसके बाद पुलिस को घर सेही46 साल के एंथनी नेफ्यू का शव भी बरामद हुआ। पुलिस की जांच में पता चला कि शख्स ने खुद ही कनपटी से बंदूक सटाकर गोली मार ली थी। परिवार को मारकर खुद जान देने वाले एंटनी नेफ्यू मानसिक रूप से बीमार थे।

जुलाई में नेफ्यू ने पोस्ट किया था, जिसमें कहा था कि मेरी मानसिक सेहत और दुनिया में एक साथ शांति नहीं रह सकती। इसका कारण धर्म है। नेफ्यू का कहना था कि मैं धार्मिक कट्टरपंथ से भयभीत हूं, जो मेरे परिवार पर थोपे जा रहे हैं। नेफ्यू ने लिखा था कि मैं चाहूंगा कि सब बोलने के लिए मुझे भी क्रूस पर चढ़ा दिया जाए। असल में लोग समझते हैं कि मैं और मेरे बच्चे शैतान हैं और वे ईसा विरोधी हैं। इसके अलावा एक अन्य पोस्ट में नेफ्यू ने बराक ओबामा, ट्रंप, जो बाइडेन और कमला हैरिस की तस्वीरें शेयर की थीं।

# चीन की राज्य सरकारों पर 700 लाख करोड़ का कर्ज

बीजिंग (ईएमएस)। चीन की सरकार ने राज्यों के लिए 118 लाख करोड रुपए का पैकेज घोषित किया है। चीन की राज्य सरकारों के ऊपर कर्ज बहुत बढ़ गया है। चीन सरकार के आंकड़ों के अनुसार राज्य सरकारों पर700लाख करोड रुपए का कर्ज हो गया है। राज्य सरकारों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए चीन की केंद्र सरकार ने118लाख करोड रुपए विभिन्न राज्य सरकारों को पैकेज के रूप में दिए हैं। चीन में जिसतरहसे राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है।

# फिर बढ़ गई प्याज की कीमत, खुदरा बाजार में 80 रुपए किलो के पार

- नई फसल नहीं आने और निर्यात में तेजी से प्याज की कीमत में तेजी आई

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्याज की कीमत एक बार फिर से बढ़ने लगी है, जैसे बाजारों में यह 80 रुपये किलो पार कर गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक खासकर राजस्थान, महाराष्ट्र, और कर्नाटक में खरीफ फसल की गुणवत्ता खराब रही है, जिसकी वजह से नई फसल न आने के कारण प्याज की कीमतों में वृद्धि आई है। नासिक के पिंपलगांव बाजार में बेहतरीन गुणवत्ता वाले प्याज की मांग बढ़ गई है और कीमतें 15 दिनों में 70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। इसी दौरान, औसत कीमत भी 58 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई है। बांग्लादेश की ओर से प्याज पर आयात शुल्क हटाने से निर्यात में तेजी आई है, लेकिन व्यापारियों को उम्मीद है कि जब नई फसल की आवक शुरू होगी, तो कुछ हफ्तों के बाद कीमतों में गिरावट आएगी। व्यापारियों के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक अगस्त में भारी बारिश के कारण नई फसल की आवक में देर आ रही है, लेकिन राजस्थान के अलवर में और कुछ अन्य बाजारों में खरीफ की नई फसल की आवक बढ़ रही है। व्यापार जगत के जानकारों के अनुमान है कि नवंबर के अंत तक प्याज की कीमतें थोक बाजारों में 30 रुपये प्रति किलोग्राम के आरामदायक स्तर पर आ जाएंगी।

# बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, क्यों चुप है यूनुस सरकार?

इस्कॉन भक्तों को मारने की धमकी देने वाले कट्टरपंथी संगठन घूम रहे आजाद

ढाका,( ईएमएस )। बांग्लादेश में हाल ही में कई फैसले यूनुस सरकार ने लिए हैं और ये फैसले कम से कम लोकतंत्र के हित में नहीं नजर आ रहे हैं। इन फैसलों से ऐसा लगता है जैसे शेख हसीना की विरासत से पूरी तरह से पीछा छुड़ाने की लड़ाई अब मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में लड़ी जा रही है।

बांग्लादेश में जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र चटगाँव में पिछले दिनों हिंदुओं पर हुए अत्याचारों के विरोध में हिंदू संगठनों ने एक रैली निकाली थी। उसमें इस्कॉन के पुजारियों और इस्कॉन भक्त भी शामिल हुए थे। उन्होंने अपने पर हो रहे अत्याचारों का प्रतिरोध किया था और कहा था कि हिंदुओं के साथ बांग्लादेश में न्याय होना चाहिए लेकिन हिंदुओं के इस प्रतिरोध को यूनुस सरकार सहन नहीं कर सकी थी और न ही हिंदुओं की पहचान को सहन कर सका।

बांग्लादेश में चटगांव में कट्टर इस्लामिक संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम ने इस्कॉन के विरोध में रैली निकाली थी और उसमें इस्कॉन भक्तों को पकड़ने और उनका कत्ल करने के नारे लगाए गए थे। इस्कॉन के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने धमकी दी थी कि यदि इस्कॉन पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया तो वे लोग आंदोलन करेंगे। यह तो स्पष्ट होता है कि आखिर बांग्लादेश में सरकार हो या फिर देश में जल्द चुनाव करवाने के लिए विरोध प्रदर्शन करने वाली बीएनपी, इनका विरोध अवामी लीग को सीमित करने तक ही क्यों है? जबकि उनके ही देश के अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार हमले हो रहे हैं। आखिर उनकी प्राथमिकताएं क्या हैं? आखिर वे चाहते क्या हैं? इन अत्याचारों को लेकर छात्र संगठन, या बीएनपी क्यों नहीं सड़कों पर उतर रही है? ये तमाम प्रश्न हैं, जिनके उत्तर आज सभी जानना चाहते हैं कि आखिर नए बांग्लादेश की प्राथमिकता क्या है?

# चैड में सेना का बड़ा अभियान!

बोको हरम के 96 आतंकी मारे गए

एन जामेना( ईएमएस )। चैड में सोमवार को सेना ने बड़ा अभियान चलाया। इस ऑपरेशन में सेना ने बोको हरम के 96 आतंकियों को मार गिराया। वहीं, चैड सेना के 15 जवानों की भी जान चली गई। इसके अलावा 32 सैनिक घायल हैं। चैड की सेना का यह अभियान कहां चलाया गया, इसके बारे में फिलहाल सेना के प्रवक्ता ने जानकारी नहीं दी है। साथ ही इस पूरी घटना के हालात पर भी चर्चा नहीं की गई है।

जनरल इसाख अचेख ने रविवार को टीवी पर अपने संवोधन के दौरान कहा कि सेना ने बोको हरम के 11 आतंकियों को घायल भी किया है और बड़ी मात्रा में हथियारों और अन्य उपकरणों को जब्त किया।

# कनाडा के लोगों पर देश की कुल जीडीपी से भी ज्यादा का कर्ज, मुश्किल में फंसे ट्रूडो

ओटावा,( ईएमएस )। कनाडा की अर्थव्यवस्था कठिन दौर से गुजर रही है। देश में हाउसहोल्ड डेट यानी परिवारों पर कर्ज, अब जीडीपी के मुकाबले 103 फीसदी तक पहुंच गया है। इसका मतलब है कि कनाडा के नागरिकों पर देश की कुल जीडीपी से भी ज्यादा का कर्ज चढ़ गया है, जिसमें ब्याज और मूलधन दोनों शामिल हैं।

यह आंकडो दर्शाते हैं कि कनाडा के लोग अपनी खर्च योग्य आय से कहीं ज्यादा कर्ज में दबे हैं, जिससे देश की आर्थिक स्थिरता पर गंभीर संकट छा गया है। इस असंतुलन की वजह से कनाडाई लोगों को संपत्तियां खरीदने और अन्य जरूरी खर्चों के लिए अत्यधिक कर्ज लेना पड़ता है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह कर्ज देश की आर्थिक सेहत के लिए खतरनाक संकेत है। जिन देशों में हाउसहोल्ड डेट ज्यादा होता है, वहां परिवारों को वित्तीय अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है। कनाडा के बाद ब्रिटेन का नंबर आता है, जहां लोगों पर देश की जीडीपी का 80 फीसदी कर्ज है। अन्य देशों में यह अनुपात तुलनात्मक रूप से कम है, जैसे कि अमेरिका में 73 फीसदी, फ्रांस में 63 फीसदी, चीन में 62 फीसदी और जर्मनी में 52 फीसदी। वहीं, भारत में यह आंकड़ा 37 फीसदी है, जो कनाडा की तुलना में काफी कम है इससे पता चलता है कि भारतीय परिवारों पर कर्ज का बोझ कम है।

कनाडा की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हो रही है। अमेरिका में हाल में हुए राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद कनाडा की आर्थिक स्थिति पर और ज्यादा दबाव आने की संभावना है। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान में आयात पर ऊंचे टैरिफ लगाने और नॉर्थ अमेरिका फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की समीक्षा करने का वादा किया था। अगर ट्रंप यह कदम उठाते हैं तो कनाडा के सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर अमेरिका के साथ उसके व्यापार संबंध प्रभावित हो सकते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लग सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो देश को आर्थिक अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है। बढ़ते कर्ज के चलते कनाडाई लोगों को महंगाई और वित्तीय अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यह देखना होगा कि कनाडा की सरकार इस संकट से निपटने के लिए क्या कदम उठाती है, ताकि देश आर्थिक संतुलन बना सके और लोगों को कर्ज के जाल से मुक्ति मिल सके।

# फिनलैंड में बन रहा है सबसे बड़ा क्रूज

फिनलैंड (ईएमएस)। दुनिया का सबसे बडे क्रूज शिप का निर्माण फिनलैंड में हो रहा है। इसका वजन 2। 50 लाख टन होगा। इसकी लंबाई 1196 फीट है। इस शिप में 8000 यात्री एक साथ यात्रा कर सकेंगे। फिनलैंड के शिपयार्ड में इसका निर्माण जोर-जोर से शुरू है। इसकी लागत का अभी कोई अनुमान नहीं लगाया गया है। इस दुनिया का सबसे बड़ा क्रूज शिप माना जा रहा है।

# विदेशी निवेशकों की निकासी जारी, पांच कारोबारी सत्रों में 20,000 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार से निकासी बीते सप्ताह भी जारी रही। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले पांच कारोबारी सत्रों में लगभग 20,000 करोड़ रुपये निकाले हैं। विदेशी निवेशक इन दिनों घरेलू शेयर बाजार से पैसा निकालकर चीन के बाजार में लगा रहे हैं। एफपीआई 2024 में अब तक इक्विटी बाजार में शुद्ध विक्रेता बन गए हैं। इस दौरान उन्होंने घरेलू बाजार से 13,401 करोड़ रुपये निकाले हैं। आने वाले समय में एफपीआई की बिकवाली जारी रहने का अनुमान है। अगर तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजों में आय में सुधार दिखता है तो यह परिदृश्य बदल सकता है और एफपीआई की बिकवाली घट सकती है। शेयर बाजार विशेषज्ञों ने बताय कि अमेरिका में नव निर्वाचित राष्ट्रपति जनवरी 2025 में पदभार ग्रहण करेंगे। इसलिए भारतीय बाजार निकट अवधि में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों, कॉरपोरेट आय और खुदरा निवेशकों के रुख से प्रभावित होगा। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस महीने अब तक 19,994 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इससे पहले अक्टूबर में उन्होंने 94,017 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। यह एफपीआई की अब तक की सबसे अधिक बिकवाली थी। सितंबर 2024 में विदेशी निवेशकों ने 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

चीन के प्रति आकर्षण के चलते बिकवाल बने एफपीआई

भारतीय इक्विटी से बाहर निकलने का एक प्रमुख कारण चीन के प्रति उनका नया आकर्षण है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के संयुक्त निदेशक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि चीन ने हाल ही में अपनी धीमी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए कई उपाय किए हैं।

# इजराइल ने हिजबुल्लाह कमांडर सलीम को सीरिया में ढेर किया

सलीम ने 20 साल पहले लेबनान के प्रधानमंत्री को 3000 किमी का बम ब्लास्ट कर मारा था

तेल अवीव( ईएमएस )। इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के एक कमांडर सलीम जमील अय्याश को एक हवाई हमले में मार गिराया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक सलीम सीरिया में हिजबुल्लाह के गढ़ अल-कौसैर में छुपा हुआ था। इजराइली सेना के हमले में सलीम के अलावा 8 और लोग मारे गए। ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस हमले की आलोचना की है और इजराइल को संयुक्त राष्ट्र से बाहर निकालने की मांग की है।

सलीम हिजबुल्लाह की यूनिट 151 का मेंबर था। अमेरिका ने उस पर 10 मिलियन डॉलर (84 करोड़ रुपए) का ईनाम रखा था। वह लेबनान के प्रधानमंत्री रफीक हरीरी की हत्या के लिए जिम्मेदार था। हरीरी लेबनान के सबसे ज्यादा लोकप्रिय सुन्नी मुस्लिम नेता थे। वे 5 बार देश के पीएम रहे। 14 फरवरी 2005 को बेरूत में हरीरी के काफिले को 3000 किलो विस्फोटक से भरे ट्रक से टक्कर मारी गई थी। इसमें उनकी मौत हो गई थी। हमले में उनके साथ के 21 लोग और भी मारे गए थे।

# निसान ने वैश्विक ऑपरेशंस में बड़े बदलाव की घोषणा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। जापान की तीसरी सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी निसान मोटर्स कॉर्प ने अपने वैश्विक ऑपरेशंस में बड़े बदलाव का ऐलान किया है। कंपनी ने 9,000 कर्मचारियों की छंटनी और उत्पादन क्षमता में 20 फीसदी की कटौती करने का निर्णय लिया है, ताकि वह इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के बाजार में अपनी खोई हुई हिस्सेदारी को पुनः हासिल कर सके। कंपनी के सीईओ माकोतो उचिदा ने भी अपनी सैलरी में 50 फीसदी की कटौती की। निसान को सितंबर तिमाही में 9.3 अरब येन (लगभग 6 करोड़ डॉलर) का घाटा हुआ है, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 190.7 अरब येन का मुनाफा हुआ था। इस वित्तीय संकट के चलते, कंपनी ने अपनी आय में 94 फीसदीकी गिरावट देखी और राजस्व आउटलुक में 9 फीसदी से अधिक की कटौती की गई। निसान ने हाल ही में 448.3 बिलियन यूरो (लगभग 2.9 बिलियन डॉलर) की नकदी खर्च की है और अब वह मित्सुबिशी मोटर्स में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। इस पुनर्गठन के दौरान कंपनी ने बताया कि संशोधित रणनीतियों के माध्यम से वह कोस्ट कम करने और वित्तीय जीवनकारी बेहतर बनाने का प्रयास कर रही है। निसान के इस अपडेट के साथ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में चुनौती का सामना है, जहां सख्त प्रतिस्पर्धा और तकनीकी नवाचारों की मांग बढ़ रही है।

# यूरोपीय संघ को डीजल निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश बना भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। 2024 की पहली तीन तिमाहियों में भारत यूरोपीय संघ को डीजल निर्यात करने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है। भारत से यूरोपीय संघ को डीजल जैसे ईंधन का निर्यात 58 प्रतिशत बढ़ गया है। माना जा रहा है कि रूस से आने वाला कच्चा परिष्कृत करके भारत से यूरोप भेजा जा रहा है। ऊर्जा और स्वच्छ वायु पर शोध केंद्र (सीआरईए) ने ताजा रिपोर्ट में कहा कि शोधन नियमों में खामियों का लाभ उठाते हुए, भारत अब यूरोपीय संघ को तेल उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। 2024 की पहली तीन तिमाहियों में जामनगर, वडिनार (गुजरात) और मैंगलोर रिफाइनरी से यूरोपीय संघ को निर्यात सालाना आधार पर 58 प्रतिशत बढ़ा। बता दें कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया है। देश का रूस से आयात यूक्रेन युद्ध से पहले कुल आयातित तेल के एक प्रतिशत से भी कम था और युद्ध के बाद खरीद बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत हो गई है। दिसंबर 2022 में यूरोपीय संघ और जी7 देशों ने रूस के कच्चे तेल के आयात पर मूल्य सीमा और प्रतिबंध लगा दिया था।

# डेढ दशक पहले एक चमत्कार ही था, नहीं तो दिवालिया हो जाते मस्क

सैन फ्रांसिस्को( ईएमएस )। करीब डेढ दशक पहले यानी 2008 में एलन मस्क के सामने बहुत बड़ा संकट आया था। ठीक क्रिसमस पर एक ऐसा चमत्कार हुआ जिसकी वजह से उनकी स्थिति संभल गई। वरना कुछ ही हफ्तों में मस्क दिवालिया हो जाते। 2008 तक टेस्ला के रोडस्टर प्रोटोटाइप में 89 बार विफलता मिली थी, और कंपनी की स्थिति बेहद नाजुक थी। इंजीनियर कंपनी छोड़ रहे थे और कंपनी का संचालन मुश्किल हो रहा था। इसके बावजूद, एलन मस्क ने हार मानने के बजाय अपनी बची हुई कुल संपत्ति, 20 मिलियन डॉलर (लगभग 165 करोड़), को टेस्ला में लगा दिया। उन्होंने अपनी आखिरी कोशिश की और एक शर्त के साथ निवेशकों से अपील की कि वे भी उतनी ही राशि निवेश करें, जिससे कंपनी को बचाया जा सके। यह उनके लिए सब कुछ या कुछ नहीं जैसा था, क्योंकि उन्होंने पहले ही पेपाल से मिली अपनी अधिकांश संपत्ति टेस्ला और स्पेसएक्स में निवेश कर दी थी।

अगर निवेशकों ने एलन मस्क का 20 मिलियन डॉलर नहीं मिलाया, तो टेस्ला दिवालिया हो जाती। उस समय स्थिति इतनी नाजुक थी कि अगर कंपनी इमरजेंसी फंड नहीं जुटा पाती, तो वे व्यक्तिगत रूप से दिवालिया हो सकते थे। फिर, एक ऐतिहासिक घटना छ्रिह्- %लुच्छ्.ईव के दिन, एलन मस्क ने एक कॉन्फ्रेंस कॉल पर निवेशकों को विश्वास दिलाया और उनके साथ साझा किया कि वह अपने विज़न के लिए सब कुछ दांव पर लगाने के लिए तैयार हैं। इसने निवेशकों को प्रभावित किया और उन्होंने एलन के 20 मिलियन डॉलर को मैच किया, जिससे टेस्ला को बचाने के लिए जरूरी फंड मिल गया। आज, टेस्ला की कुल संपत्ति 80 ट्रिलियन रुपये (80 लाख करोड़ रुपये) से अधिक हो चुकी है, और उसने ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में क्रांति ला दी है। टेस्ला ने मुख्यधारा के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मार्ग प्रशस्त किया, और अब हर बड़ा ऑटोमेकर टेस्ला के रास्ते पर चल रहा है। एलन मस्क का साहसिक कदम, जिसने उनके लिए व्यक्तिगत रूप से सब कुछ दांव पर लगा दिया, आज टेस्ला की सफलता का आधार बना।

# बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को वैध करने की कवायद

ढाका,( ईएमएस )। विश्व में लगातार बदलते परिदृष्य के बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को वैध करार देने की जुगत भिड़ाई गई है। इसके तहत मोहम्मद यूनुस की अंतिरम सरकार को अंतरिम सरकार अध्यादेश 2024 के लिए प्रोविजनल मंजूरी दे दी गई है। इससे अंतरिम सरकार की ताकत और बढ़ गई है। बावजूद इसके सरकार को लेकर कई सवाल अभी भी खड़े किए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि दो माह पहले सितंबर महीने में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश में कानून व्यवस्था में सुधार लाने के लिए सेना को दो महीनों के लिए न्यायिक शक्तियां प्रदार की थीं। इसके तहत लोक प्रशासन मंत्रालय ने सरकार के फैसले पर एक अधिसूचना भी जारी की थी। तब इसमें कहा गया था कि यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। अब खबर है कि यूनुस की अंतरिम सरकार को वैध बनाने की दिशा में कदम आगे बढ़ाए गए हैं। इसके चलते अंतरिम सरकार अध्यादेश 2024 के लिए अंतरिम सरकार को प्रोविजनल मंजूरी मिल गई है। इससे समझा जा रहा है कि यूनुस सरकार अब और ताकतवर हो जाएगी, जबकि विशेषज्ञों का सवाल है कि बिना चुनाव की सरकार लोकतंत्र में किस प्रकार से मजबूत मानी जा सकती हे।

# विवाह कानून में कानूनी संशोधन पारित करने की तैयारी, महिलाओं के अधिकार होंगे खत्म

इराक में नौ साल की बच्चियों के साथ पुरुष कर सकेंगे शादी

नई दिल्ली( ईएमएस )। बाल विवाह की कुरीति को खत्म करने की कोशिश पूरी दुनिया में जारी है। कुछ हद तक इस पर काबू भी पा लिया है। हालांकि, अभी भी कई ऐसे देश हैं, जो लगातार बाल विवाह को कानूनी करने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं इराक की। यहां शादी के उम्र में संशोधन की पूरी तैयारी है। दावा किया जा रहा कि सरकार लड़कियों की शादी की उम्र में कमी करने जा रही है। ऐसे में पुरुष नौ साल की लडक्री से विवाह कर सकेंगे।

अगर यहां यह संशोधन पारित हो जाता है तो विवाह की उम्र न केवल कम हो जाएगी बल्कि महिलाओं के लिए तलाक, बच्चों की कस्टडी और प्रॉपर्टी जैसे खास अधिकार भी प्रतिबंधित हो जाएंगे। इसके साथ यह विधेयक ईराक के नागरिकों को पारिवारिक मामलों पर निर्णय लेने के लिए धार्मिक अधिकारियों या नागरिक न्यायपालिका को चुनने की भी अनुमति देगा।

अब तक चला आ रहा कानून

मिडिल ईस्ट आई के मुताबिक, पर्सनल स्टेटस लॉ 1959 के 188 नियम में बदलाव की बात हो रही है। पुराना नियम अब्दुल करीम कासिम सरकार ने बनाया था। कासिम की पहचान प्रोग्रेसिव लेफ्टिस्ट के तौर पर थी, जिनके समय में कई बड़े बदलाव लाए गए। इनमें से एक था- 18 साल की उम्र होने पर ही लड़कियों की शादी। पचास के दशक के आखिर में पूरे मिडिल ईस्ट में इसे सबसे बढ़िया कानूनों में माना गया था। निश्चित उम्र में शादी ही नहीं, यह नियम कई और बातें भी करता था, जैसे पुरुष मनमर्जी के दूसरी शादी नहीं कर सकते। लॉ के अनुसार, मुस्लिम पुरुष और गैर-मुस्लिम महिला अगर शादी करना चाहें तो इसपर कोई शर्त या प्री-कंडीशन नहीं रहेगी। हालांकि, जितना सुनाई दे रहा है, कानून उतना भी सीधा नहीं था। आबादी को खुश करने के लिए इसमें एक नियम यह भी डाल दिया गया कि शादियां 15 वर्ष की आयु में भी हो सकती हैं, अगर परिवार और जज की इजाजत हो।

विरोध के बावजूद पारित करना चाहती है कानून

शिया इस्लामिस्ट पार्टियों ने मिलकर एक फ्रेमवर्क तैयार किया, जिसमें इस बदलाव की बात है। बता दें कि फिलहाल इराक में मोहम्मद शिया अल-सुदानी की सरकार है, जो खुद एक शिया हैं और जिन्हें शिया पार्टियों का समर्थन मिला हुआ है। शिया-बहुल इस देश की सरकार में शिया पार्टियों की बड़ी भूमिका होती है और वे अक्सर बड़े फैसले लेते रहे। इराक की शिया दलों के गठबंधन के नेतृत्व वाली सरकार ने कहा है कि यह संशोधन इस्लामिक शरिया कानून के तहत है और इसका उद्देश्य युवा लड़कियों की सुरक्षा करना है। खास बात यह है कि इराक की सरकार इराकी महिला समूह की ओर से लगातार किए जा रहे विरोध के बावजूद भी इस कानून को पारित करना चाहती है।

पहले भी हो चुकी है कोशिश

कानून में संशोधन करने के पहले भी प्रयास हो चुके हैं। हालांकि, पहली बार ऐसा लग रहा है कि कानून पारित करने में सांसद सफल हो सकते हैं। इससे पहले कानून में दूसरा संशोधन 16 सितंबर को पारित किया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसे कानून 188 नाम दिया गया। ये कानून ईराक के मूल रूप से रहने वाले सभी संप्रदाय के परिवारों के लिए समान रूप से लागू किया जाएगा।

इराक में बहुत होते हैं बाल विवाह

इराक में पहले से ही बाल विवाह की दर बहुत ज़्यादा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, इराक में 28 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 साल की उम्र तक हो जाती है। ऐसा व्यक्तिगत कानून में एक खामी के कारण है, जो अदालतों के बजाय धार्मिक नेताओं को हर साल हजारों विवाह संपन्न कराने की अनुमति देता है। इनमें पिता की अनुमति से 15 वर्ष की आयु तक की लड़कियों की शादियां भी शामिल हैं। ये अपंजीकृत विवाह इराक के आर्थिक रूप से गरीब, अति-रूढिवादी शिया समुदायों में व्यापक रूप से प्रचलित हैं। चूंकि इन विवाहों को कानून द्वारा मान्यता नहीं दी गई है, इसलिए लड़कियों और उनके बच्चों को अनेक अधिकारों से वंचित कर दिया जाता है।

# वडोदरा में इंडियन ऑयल की रिफाइनरी में भीषण धमाके के साथ लगी आग,कई किलोमीटर दूर तक दिखा धुआं

वडोदरा ,11 नवंबर

वडोदरा फायर ब्लास्ट इन रिफाइनरीः वड़ोदरा में भारत सरकार के उपक्रम इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की रिफाइनरी में आज दोपहर जोरदार विस्फोट और आग लग गई, जिससे आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यहां दोपहर में 1000 किलो लीटर पेट्रोल स्टोरेज टैंक में जोरदार धमाका हुआ, जिससे आसपास के एक किलोमीटर के इलाके के कई घरों की खिड़कियां और दरवाजे हिल गए. इस बीच तेज आवाज से कई लोग डर कर बाहर भाग गये.

इस आग के कारण रिफाइनरी से आसपास के पांच किलोमीटर के इलाके में धुएं का गुबार देखा गया. फायर ब्रिगेड की करीब दस गाड़ियां और पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। हालांकि, वडोदरा फायर ब्रिगेड से संपर्क करने पर उन्हें बताया गया कि घटना में कोई मदद नहीं मांगी गई। घटना के बाद रिफाइनरी के अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू पाने की कवायद शुरू कर दी. वहीं, जरूरत पड़ने पर नंदेसरी और अन्य फायर ब्रिगेड को भी तैयार रहने को कहा गया है.

वडोदरा में इंडियन ऑयल की रिफाइनरी में भीषण धमाके के साथ लगी आग, एक किमी. खिड़कियाँ और दरवाज़े 3-छवि तक खड़खड़ाने लगे घटना के बारे में गुजरात रिफाइनरी ने जानकारी दी है कि '1000 किलो लीटर क्षमता वाले बेंजीन स्टोरेज टैंक में आग लग गई. आग की सूचना मिलते ही आग पर काबू पाने का ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। इस घटना से गुजरात रिफाइनरी के अन्य परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है, रिफाइनरी सामान्य रूप से काम कर रही है।' अहम बात यह है कि देर शाम तक आग लगने के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

आग इतनी भीषण थी कि कई किलोमीटर दूर तक धुएं का गुबार देखा गया। हादसे में दो कर्मी घायल होने की खबर है। सूत्रों ने बताया कि आईओसीएल की रिफाइनरी के बेंजीन टैंक में यह ब्लास्ट हुआ है। विस्फोट के बाद रिफाइनरी में भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद आसपास की कंपनियों में दहशत का माहौल है। आग पर काबू पाने के लिए प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। आग बुझाने के लिए करीब 10 दमकल गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया था। सूत्रों के मुताबिक आग पर काबू पा लिया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, 1000 किलोलीटर बेंजीन टैंक में भारी विस्फोट के बाद आग लगी है। वडोदरा के जिला कलेक्टर बिजल शाह ने बताया कि विस्फोट दोपहर करीब 3.50 बजे हुआ। वडोदरा के कोयली इलाके में स्थित रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन भारत सरकार का उपक्रम है। बता दें कि यहां करीब 20 साल पहले साल 2005 में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की गुजरात रिफाइनरी में विस्फोट हुआ था। उस समय 13 लोग घायल हुए थे।

# वडोदरा में प्रभु विट्ठलनाथजी चांदी की पालकी में विराजित होकर कल नगराचार्य पद के लिए प्रस्थान करेंगे

वडोदरा,11 नवंबर

देवोथी एकादशी पर वडोदरा शहर के मध्य में मांडवी के पास देवस्थान ट्रस्ट द्वारा संचालित पौराणिक विठ्ठल मंदिर से पारंपरिक रूप से प्रस्थान कर भगवान विठ्ठलनाथजी को चांदी की पालकी में विराजित कर कल मंगलवार 12 तारीख को एक बड़े रथ के साथ चांदी की पालकी में विराजित किया जाएगा. विठ्ठल विठ्ठल विठ्ठल, हरिओम मंदिर से ढोल नगाड़ा बैंडवाजा सूरावली के साथ भक्तों का हुजूम प्रभु नियमित रूप से सुबह 9 बजे विठ्ठल के उद्घोष के साथ प्रस्थान करेंगे।

गौरतलब है कि हर साल इस शुभ अवसर पर राजपरिवार आस्था और भक्ति के साथ भगवान को विदा करता है. इस वर्ष भी इस धार्मिक अवसर पर गायकवाड़ परिवार विशेष रूप से उपस्थित रहेगा। इस संबंध में चांदी की पालकी की साफ-सफाई की तैयारी की जा रही है. इस शुभ अवसर पर सुबह 3 बजे मंगला आरती और सुबह 7 बजे श्रृंगार आरती होगी. राजमार्गों से गुजरने वाली प्रभु की बारात में पुलिस की कड़ी व्यवस्था रहेगी. रथ कारेलीबाग-खासवाड़ी रोड पर गहना बाई महादेव मंदिर में रुकेगा और पालकी में बैठकर बिराजित प्रभु नागरवाड़ा होते हुए फिर से विठ्ठल मंदिर लौटेगा। कल प्रभु विठ्ठलनाथजी के नगर चारण के बाद मांगलिक आयोजन प्रारंभ होंगे।

# वडोदरा के फतेगंज क्षेत्र से सीवेज जल के त्वरित निस्तारण के लिए 7.62करोड़ की लागत से कार्य शुरू

वडोदरा,11 नवंबर

वडोदरा नगर निगम ने ट्रेंच लैश विधिका उपयोग करके 7.62 करोड़ की लागत से फतेगंज ब्रिज से नरहरि सहायक पंपिंग स्टेशन तक जल निकासी लाइन का निर्माण शुरू किया है। फिलहाल फतेगंज इलाके में इस ऑपरेशन के लिए सड़क पर गड्ढे खोदेजाचुके हैं और मैनुअल शाफ्ट के लिए ट्रायल पिट जैसे जरूरी टेस्टिंग ऑपरेशन भी शुरू कर दिए गए हैं.

हालाँकि, इस ऑपरेशन के दौरान पानी की लाइन लीक हो गई। जिसकी मरम्मत करा दी गई है. यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जा रहा है कि ड्रेनेज लाइन के संचालन के दौरान कैरिजवे को बंद न करना पड़े। ऐसे में यह कार्रवाई ट्रैफिक बंद रखकर की जानी है, लेकिन लोगों की परेशानी न बढ़े, इसे ध्यान में रखते हुए काम किया जा रहा है, ऐसा निगम का कहना है। जरूरत पड़ने पर अगर यातायात रोकना भी पड़े तो कोई आश्चर्य नहीं। वार्ड क्रमांकः2 और वार्ड क्रमांकः3 के क्षेत्रों से सीवेज का पानी फतेगंज ब्रिज से कल्याण होटल तक 45 साल पुरानी 8 से 12 इंच व्यास वाली लाइन के माध्यम से नरहरि अस्पताल के पास पंपिंग स्टेशन तक जाता है।

यह लाइन मुख्य रूप से कॉन्वेंट स्कूल, पैरिशम सोसायटी, अरविंद बाग, गोदरेज हॉल, आदर्श विद्यालय कामतीपुरा, जनता स्ट्रीट, राणावास, भरवाड वास, जयेश कॉलोनी आदि से स्वेज जल ले जाती है और सड़क के दोनों किनारों पर आवासीय और वाणिज्यिक संरचनाएं हैं। पंपिंग स्टेशन तक पुल इसी लाइन से होकर जाता है पीक आवर्स के दौरान इस लाइन पर भारी लोड होने की स्थिति में स्वेज लाइन की कम क्षमता के कारण पानी जल्दी डिस्चार्ज नहीं किया जा सकता है। तो कमाटीपुरा नवयुग विद्यालय से स्वेज बाईपास निकलता है। ड्रेनेज चोक होने और ओवर फ्लो की समस्या अक्सर होती रहती है। इस क्षेत्र में स्वेज़ मुद्दों के समाधान के लिए निगम में सूचीबद्ध एक परियोजना प्रबंधन सलाहकार को नियुक्त किया गया है। स्थल का सर्वेक्षण कर इस क्षेत्र में यातायात भार अधिक होने के कारण निगम की अन्य आधारभूत संरचना लाइन क्षतिग्रस्त न हो इसका ध्यान रखते हुए 6 से 9 मीटर की गहराई पर ड्रेनेज लाइन बिछाई जाए तथा ड्रेनेज लाइन बिछाने का सुझाव दिया। मैनुअल पुशिंग विधि द्वारा लाइन। इसके लिए लगभग 40 इंच व्यास की केसिंग तथा 24 इंच व्यास की आर.सी.सी. पाइप बिछाने के कार्य सहित एक प्राक्कलन तैयार किया गया था। टेंडर प्रक्रिया के दौरान अनुमान से करीब 30 फीसदी अधिक कीमत पर 7.62 करोड़ के टेंडर को आखिरकार मंजूरी दे दी गई.

# वाव विधानसभा उपचुनाव में आज से प्रचार शांत, मतदाता किसे देंगे विजेता का ताज?

वाव,11 नवंबर

वाव विधानसभा उपचुनाव अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। अगला मतदान 13 नवंबर 2024 को होगा. बहरहाल, इस चुनाव में त्रिकोणीय लड़ाई मानी जा रही है. आज सोमवार को चुनाव प्रचार की गूंज शांत हो गई है. प्रतिष्ठा की जंग सामी उपचुनाव में 10वीं सीट जीतने के लिए बीजेपी, कांग्रेस और निर्दलीयउम्मीदवारों ने काफी दबाव डाला था. हालांकि, अंततः मतदाता ही अपने उम्मीदवार को जीत का ताज पहनाएंगे।

बता दें कि बीजेपी के सदस्य मावजीभाई पटेल ने बगावत कर निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन कराया था. इसके परिणामस्वरूप, वीएडब्ल्यू चुनाव के स्वतंत्र उम्मीदवार मावजीभाई पटेल सहित बनासकांठा जिले के पांच सदस्यों को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया।

बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबन के मुद्दे पर वाव उपचुनाव में उतरे निर्दलीय उम्मीदवार मावजीभाई पटेल ने इनकार करते हुए कहा, 'बीजेपी ने हमें कोई पद या पद नहीं दिया है. हम किसी पार्टी की दया पर नहीं रहते। हम लोगों की दया पर जीते हैं. हमारे पैर ज़मीन पर हैं. बीजेपी जो भी कदम उठाएगी, हम तैयार हैं.' जब आप जंगल में हों तो आपको शेर के लिए तैयार रहना चाहिए, ताकि अगर शेर आपके सामने आए तो हम शेर को भी अपने वश में कर लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि, हम और हमारी टीम दृढ़ है.

जिन सदस्यों को बीजेपी ने पार्टी से निकाला है (1) मावजीभाई पटेल (निदेशक बनास बैंक) (2) लालजीभाई हमीरभाई चौधरी (पटेल) (पूर्व अध्यक्ष, मार्केट यार्ड, भाभर) (3) देवजीभाई प्रेमाभाई पटेल (पूर्व अध्यक्ष जिला वे संघ, निदेशक, जिला वे संघ) (4) दलरामभाई नागजीभाई पटेल (अध्यक्ष, मार्केट यार्ड, भाभर) (5) जमाभाई भूराभाई पटेल (पूर्व मुख्यमंत्री, सुइगाम तालुक) भाजपा सदस्यों को निलंबित करने का कदम उठाया जा रहा हैः वाव उपचुनाव में एक भाजपा सदस्य और एक बागी निर्दलीय उम्मीदवार सहित पांच सदस्यों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित करना एक राजनीतिक कदम है। ये राजनीति का एक हिस्सा है. कांग्रेस सांसद गनीबेन ठाकोर ने खुलासा किया कि मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता.

वाव विधानसभा के उपचुनाव के लिए गिनती का समय बचा है. चुनाव से संबंधित सभी तैयारियों को निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अंतिम मंजूरी दे दी गयी है. इस ऑपरेशन में शामिल कर्मचारियों ने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। जिसमें वाव विधानसभा का उपचुनाव 13 नवंबर को होने जा रहा है. चुनाव से 48 घंटे पहले प्रचार अभियान शांत हो गया है. हालांकि, इसके बाद इस चुनाव में शामिल 10 उम्मीदवार घर-घर जाकर प्रचार करेंगे.

वाव विधानसभा उपचुनाव में 321 मतदान केंद्र हैं। जिसमें कुल 3,10,681 मतदाता 13 नवम्बर 2024 को अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे तथा 15 अक्टूबर 2024 तक निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेंगे, कुल 1,61,293 पुरूष, 1,49,387 महिला एवं 01 थर्ड जेंडर मतदाता पाये गये हैं। 3,10,681 मतदाता होते हैं कुल 2581 मतदाता शामिल हैं. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा, 'कुल 07 सखी मतदान केंद्र, 01 आदर्श मतदान केंद्र और 1 पीडब्ल्यूडी और इको फ्रेंडली मतदान केंद्र स्थापित किया जाएगा. प्रत्येक मतदान केंद्र पर मेडिकल स्टाफ रहेगा. मतदान केंद्रों पर कुल 1412 अधिकारी-कर्मचारी डयूटी पर रहेंगे.

वाव विधानसभा चुनाव के लिए जिला स्तरीय वेयर हाउस पर 626 सीयू, 634 बीयू और 623 वीवी पीईटी उपलब्ध है। रैंडमाइजेशन प्रक्रिया राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित की जाएगी। पुलिस तैनाती से सभी पारदर्शी कार्य होंगे। जिले में विभिन्न कार्यों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। निष्पक्ष एवं निष्पक्ष माहौल में चुनाव कराने के लिए प्रशासन सक्रिय रहेगा। अगला मतदान 13 नवंबर 2024 को होगा. इन चुनावों को संपन्न कराने की सभी तैयारियों में मतदान प्रक्रिया में लगे चुनाव अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा वोटिंग ईवीएम और अन्य चुनाव संबंधी विषयों पर जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया। इस उपचुनाव में जोनल अधिकारी, माइक्रो ऑब्जर्वर, मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी, बीएलओ, वेतनभोगी सहित 2000 से अधिक कर्मचारी लगे हुए हैं।

कुल 321 मतदान केंद्रों की ईवीएम को जेना वाव मॉडल स्कूल स्थित ईवीएम स्ट्रांग रूम में पुलिस की कड़ी मौजूदगी के बीच रखा गया है। गौरतलब है कि वाव विधानसभा क्षेत्र में कुल 321 मतदान केंद्र हैं। 15 अक्टूबर 2024 तक 1,61,293 पुरुष, 1,49,387 एवं 01 थर्ड जेंडर मतदाताओं को मिलाकर कुल 3,10,681 मतदाता हैं।

# भाजपा दंडक ने आरोप लगाया कि चिड़ियाघर विभाग के कर्मचारी काम के प्रति उदासीनता दिखा रहे हैं

वडोदरा,11 नवंबर

सत्तारूढ़ दल के नेता और भाजपा के वार्ड नंबर 17 के नगरसेवक शैलेश पाटिल ने नगर निगम आयुक्त के सामने वडोदरा नगर निगम द्वारा प्रबंधित चिड़ियाघर शाखा की आवश्यक सतर्कता बरतने की मांग की है।

उन्होंने कहा है कि, नगरपालिका के स्वामित्व वाले कमातीबाग स्थित जू अनुभाग में पिछले कई वर्षों की तुलना में हर साल आगंतुकों की संख्या और राजस्व में भारी वृद्धि हो रही है। नगर पालिका भी नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखकर कार्य करती है। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण भी अपनी गाइड लाइन के अनुसार विकास के लिए नगर निगम के स्वामित्व वाले चिड़ियाघरों को प्राथमिकता देता है। गुजरात सरकार भी स्वर्ण अनुदान आवंटित कर रही है और शासक यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि नागरिकों को अधिक से अधिक सुविधाएं मिलें। हाल ही में वडोदरा चिड़ियाघर को नागपुर से नर और मादा बाघों का एक जोड़ा आवंटित किया गया है। साफ दिख रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास गाथा को नगर निगम प्रशासन बाधित कर रहा है. इस संबंध में, जब हमने हाल ही में चिड़ियाघर विभाग का दौरा किया, तो इंजीनियरों के प्रभारी एक स्टाफ था जो चिड़ियाघर विभाग के प्रति अपर्याप्त और उदासीन है, चाहे वह सिविल कार्यों से संबंधित रखरखाव कार्य हो या नवीन कार्य। जिससे वडोदरा नगर निगम के विकास में बाधा आ रही है और केंद्रीय प्राधिकरण की मंजूरी मिलने के बाद भी काम नहीं हो पा रहे हैं, जबकि उनकी गाइड लाइन के मुताबिक काम करने की मंजूरी है। जो कि बेहद शर्मनाक बात सामने आई है। इस संबंध में, नगर निगम आयुक्त को यह सुनिश्चित करने का प्रयास करने का सुझाव दिया गया है कि शहर के नागरिकों के साथ-साथ अन्य शहरों के आगंतुकों के लिए एक अद्वितीय वडोदरा शहर चिड़ियाघर उपलब्ध हो। सत्ताधारी दल के नेता द्वारा चिड़ियाघर विभाग की गतिविधियों पर सवाल उठाने से नगर पालिका में बहस ने तूल पकड़ लिया है.

# दादा भगवान की जयंती पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष स्मारक डाक टिकट का विमोचन

वडोदरा (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल वडोदरा में आयोजित दादा भगवान की 117वीं जयंती के उत्सव में शामिल हुए और आत्मज्ञानी दीपकभाई के साथ भारत सरकार के डाक विभाग की ओर से जारी दादा भगवान की स्मारक डाक टिकट का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने विचारशील भाषण में कहा कि प्रत्येक संप्रदाय एक ही अंतिम सत्य की बात करता है, और वह है आत्मज्ञान। आत्मज्ञान प्राप्त करने के अनेक मार्ग हैं। हालांकि, अन्य संप्रदाय चरणबद्ध ज्ञान पर जोर देते हैं, लेकिन पू. दादा भगवान द्वारा दिया गया ज्ञान कर्म या चरणों के बिना, सीधे ही आत्मज्ञान की प्राप्ति कराता है। उन्होंने कहा कि पू. दादा भगवान की वाणी और व्यवहार के द्वारा आज की पीढ़ी को यह समझ मिल रही है कि समस्याओं, प्रदूषण और चुनौतियों के साथ तालमेल बनाकर जीवन को किस तरह जिएं। दादा भगवान के जीवन-मार्ग का संक्षिप्त परिचय देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें सूरत के रेलवे स्टेशन में आत्मज्ञान की प्राप्ति हुई थी और अक्रम विज्ञान का अनुभव हुआ था। इस अक्रम विज्ञान के माध्यम से देश और दुनिया में अनेक लोग कर्ममुक्त जीवन जीने का मार्ग अपनाकर मोक्ष के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दादा भगवान ने साधु, सादे और सरल जीवन के जरिए मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वडोदरा पूज्य दादा भगवान की कर्मभूमि रही है और जीवन का अंतिम समय भी उन्होंने यहीं बिताया है। वडोदरा शहर की मामा की पोल (गली) दादा भगवान के ऋणानुबंध की भूमि है। उनकी विरासत और ज्ञान-प्रकाश के माध्यम से आज वडोदरा के नवलखी मैदान में देखने योग्य दुनिया का निर्माण हुआ है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के संकल्प सूत्र के अंतर्गत पूज्य दादा भगवान की तस्वीर वाली डाक टिकट का विमोचन किया गया है। पू. दादा भगवान की 117वीं जयंती के उत्सव के दिन ही डाक टिकट का विमोचन सोने में सुगंध के समान है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ज्ञान मुमुक्षों को ज्ञान विधि का लाभ अवश्य लेने की विनम्र अपील करते हुए कहा कि ज्ञान विधि प्राप्त होने के बाद दूसरों में दोष देखने के बजाय अपने दोष ढूंढ़कर स्वयं में ही सुधार करने की पद्धति जीवन में विकसित होगी। इसके साथ ही, उन्होंने 'मेरा ज्ञान दिवस है' कहते हुए उपस्थित सभी महात्माओं से प्रार्थना करने को कहा ताकि उनके मोक्ष मार्ग में कोई विघ्न न आए।

# पांच साल की बच्ची के अपहरण के मामले में दुष्कर्म का केस दर्ज

सूरत (ईएमएस) शहर के नानपुरा क्षेत्र की दोलताम गली में बीती रात पांच साल की बच्चे के अपहरण के मामले में पुलिस ने अब दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया हैं साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक सूरत के नानपुरा क्षेत्र की दोलताम गली 10 नवंबर की रात करीब 12 से 1 बजे के दौरान पांच साल की बच्ची अपनी माता के साथ घर के भीतर सो रही थीं उस वक्त 40 से 45 वर्षीय एक अज्ञात शख्स घर में घुस गया और माता के साथ सो रही पांच साल को बच्ची को उठाकर भागने लगीं कुछ दूर जाकर शख्स अचानक गिर पड़ीं शिख्स के गोद से बच्ची भी जमीन पर जा गिरी और रोने लगीं बच्ची की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गईं लोगों को आता देख अज्ञात शख्स वहां से भाग निकलीं बच्ची के अपहरण के निष्फल प्रयास का मामला पुलिस थाने पहुंच गयीं पुलिस की जांच में पता चला कि बच्ची की माता मूकबधीर हैं सीसीटीवी फूटेज खंगालने पर अज्ञात शख्स ने गिरने पर बच्ची के रोने पर उसका मुंह बंद करना प्रयास कियीं उस दौरान शख्स ने बच्ची के कपड़े उतारने और उसके प्राइवेट पार्ट पर छेड़छाड़ कींहांलाकि तब तक बच्ची की रोने की आवाज लोगों तक पहुंच गई और घटनास्थल पर भीड़ जमा होते देख अज्ञात शख्स वहां से भाग निकलीं

# महिसागर की कलेक्टर द्वारा दलितों के अपमान का मामला राष्ट्रीय स्तर पर लड़ेगी कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) कांग्रेस ने महिसागर की कलेक्टर नेहाकुमारी द्वारा दलितों के अपमान के मामले को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का फैसला किया हैं इसके अंतर्गत कांग्रेस प्रत्येक राज्य के राज्यपाल को ज्ञापन देकर महिसागर की आईएएस नेहाकुमारी को सस्पैंड करने की मांग करेगीं गुजरात कांग्रेस की ओर से यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक महिसागर जिला कलेक्टर नेहा कुमारी का विजय परमार नामक याचिकाकर्ता के साथ एक वीडियो वायरल हो गया है जिससे दलित आदिवासी समुदाय में आक्रोश फैल गया है। पूरे मामले पर विस्तृत प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और वडगाम विधायक जिग्नेश मेवानी और कांग्रेस लीगल सेल के प्रदेश अध्यक्ष योगेश रवानी ने इस घटना की निंदा की हैं महिसागर जिला पुलिस अधीक्षक, राज्य के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, राजस्व सचिव, देश के प्रधानमंत्री और महामहिम राष्ट्रपति के समक्ष आईएएस नेहा कुमारी द्वारा कहे गए शब्दों की एक पेन ड्राइव के साथ एक विस्तृत शिकायत कांग्रेस विधायकों द्वारा दायर की गई थी। उनके खिलाफ अत्याचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की गई हैं इसके बावजूद भाजपा अपनी दलित आदिवासी विरोधी मानसिकता और संविधान विरोधी विचारधारा के कारण कोई कार्रवाई नहीं करना चाहतीं जिसका साफ मतलब है कि भाजपा सरकार ऐसे जातिवादी अधिकारियों को यह संदेश देना चाहती है कि इस राज्य में चाहे दलितों और आदिवासियों का अपमान हो, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़तां इस मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्ध होकर इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का फैसला किया है। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश लिलोठिया ने कांग्रेस पार्टी के राज्य अनुसूचित जाति विभाग को सूचित किया है कि इस मुद्दे पर प्रत्येक राज्य में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर आईएएस नेहा कुमारी को बर्खास्त करने की मांग की जाए। इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर लड़ा जाएगा।

# सफेद रेगिस्तान में कच्छ रणोत्सव की शुरुआत, 15 मार्च 2025 तक चलेगा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ के प्रसिद्ध सफेद रेगिस्तान में स्थित टेंटसिटी में रणोत्सव आगाज हो चुका है। दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले यह रणोत्सव 15 मार्च 2025 तक चलेगां कच्छ के धोरडा गांव में होनेवाले रणोत्सव की शुरुआत में ही पर्यटकों को उमड़ना शुरू हो गया हैं बता दें कि धोरडो गांव, जहां रणोत्सव आयोजित होता है, को हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा विश्व के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव का पुरस्कार भी दिया गया है। सीमावर्ती जिला कच्छ अब पर्यटन के मामले में विश्व पटल पर पहुंच गया है। साल के अंत में कच्छ का सफेद रेगिस्तान और रणोत्सव पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा स्थान बन गए हैं। रणोत्सव का अर्थ है कच्छ की कला, संस्कृति, आतिथ्य, परंपरा, संगीत का संगम। इस साल रणोत्सव में पहली बार प्लास्टिक की जगह का प्रयोग किया गया हैं साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों और साइकिलों की संख्या भी बढ़ाई गई है। पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष से रणोत्सव में प्लास्टिक का उपयोग न्यूनतम किया गया है। दिवाली की छुट्टियां शुरू होने के साथ ही कच्छ और गुजरात समेत देशभर से पर्यटक रणोत्सव टेंट सिटी मंत बुकिंग करा चुके हैं और तय बुकिंग के मुताबिक वे इस साल रणोत्सव का आनंद लेने के लिए उमड़ेंगें विश्व धरोहर स्थल धोलावीरा से लेकर कच्छ के सफेद रेगिस्तान तक, पर्यटक अब रोड टू हेवन के माध्यम से विश्व धरोहर धोलावीरा के साथ-साथ सफेद रेगिस्तान का भी आनंद ले सकते हैं। ऐसे में इस साल दिसंबर महीने की 80 से 90 फीसदी एडवांस बुकिंग हो चुकी हैं रणोत्सव के टेंट सिटी में कच्छ संस्कृति का पूरा ढांचा खड़ा किया गया हैं रणोत्सव का सफर 2009 से शुरू हुआ हैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2009 के विजन से लेकर अब 2023 तक हर साल रणोत्सव में सुधार हुआ है और हर साल रणोत्सव को एक अलग स्तर पर ले जाया जा रहा हैं इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को ध्यान में रखते हुए टेंट सिटी में भी बदलाव किये गये हैं रणोत्सव के दौरान बनाई गई टेंट सिटी में 400 टेंट लगाए गए हैं। रणोत्सव के दौरान धरती पर दूर-दूर तक बिछी सफेद चादर का प्राकृतिक नजारा देखने के लिए पर्यटक आ रहे हैं। रणोत्सव में दरबारी और शाही तंबू पर्यटकों को आकर्षित करेंगे। सफेद रण में हर साल लाखों पर्यटक आते हैं और गुजरात पर्यटन विभाग और राज्य सरकार को करोड़ों रुपये की आय होती है। रणोत्सव में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटक कच्छ की कला और संस्कृति को देख रहे हैं। सफेद रेगिस्तान का आनंद लेने के लिए दुनिया के कोने-कोने से आने वाले पर्यटकों को भी कच्छ के इस सफेद रेगिस्तान के अद्भुत दृश्य का आनंद लेने के बाद एक अलग अनुभूति का अनुभव हो रहा है।

# गिरनार की हरित यात्रा मंगलवार से शुरू होगी, एक दिन पहले ही अभ्यर्थियों की भीड़ उमड़ पड़ी है

जूनागढ़,11 नवंबर

जूनागढ़ में गिरनार लिली परिक्रमा की एक और महिमा है। हर साल लाखों श्रद्धालु लीली परिक्रमा करने आते हैं, लीली परिक्रमा कल मंगलवार से शुरू होगी और 15 नवंबर तक चलेगी. लाखों की भीड़ जुटने पर यात्रा में भटक न जाना पड़े,इसके लिए सैकड़ों लोगों ने एक दिनपहले ही परिक्रमा शुरू कर दी है। जैसे ही गिरनार की हरी परिक्रमा औपचारिक रूप से मंगलवार को देवी उठी अगियारस की आधी रात को शुरू होगी, भक्तों का आना शुरू हो चुका है। जिसमें तीर्थयात्री एक दिनपहले हीजंगल में प्रवेश कर चुके हैं। जबकि तलहटी में अन्न क्षेत्र में हरिहर की साद गूंज रही है। सवा लाख से अधिक लोगों के पहुंचने से तलहटी में मेले जैसा माहौल हो गया है। वाहन के मलबे भवनाथ जिला पंचायत के मैदानमें पाए गए। अग्रिम परिक्रमा मेंभीड़न हो इसके लिए पुलिस ने रूपायतन रोड पर बैरिकेडलगा दिए हैं और परिक्रमाकरनेवालोंको वापस भवनाथ तलहटी में भेजा जा रहा है, इसलिए इस बार लाल धोरी के पास कम लोग नजर आ रहे हैं.

चूँकि 15 लाख से अधिक श्रद्धालु लीली परिक्रमा में शामिल होते हैं, उनके भोजन प्रसाद के लिए मार्ग में 50 से अधिक खाद्य स्टॉल लगे हुए हैं। इन आयोजकों से लिखित वचन लिया गया है कि वे प्लास्टिक प्रदूषण नहीं फैलाएंगे. प्राचीन काल से ही गरवा गिरनार की गोद में भगवान उठी अगियारस के ग्यारहवें दिन से लेकर पूनम तक हरी परिक्रमा आयोजित की जाती है। समय-समय पर लोगों की भीड़ बढ़ने लगी तो अब स्थानीय प्रशासन द्वारा विशेष रूप से हरे घेरे का आयोजन किया जाता है। लेकिन इस बार परिक्रमा का आयोजन हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों के अनुसार किया गया है.

परिक्रमा में अब प्लास्टिक प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते हाईकोर्ट ने अभयारण्यों को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करने का आग्रह किया है. ऐसे में यदि कोई भी व्यक्ति परिक्रमा के दौरान गर्भगृह में प्रतिबंधित प्लास्टिक का सामान लेकर जाएगा तो कार्रवाई की जाएगी।

## युवा अग्रवालों द्वारा अग्रवाल समाज के समग्र विकास हेतु 'अग्रसेतु का लोकार्पण

# 2047 विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अग्रवाल समाज मुख्य भूमिका निभाए : जय शाह




अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 में विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अग्रवाल समाज की भी मुख्य भूमिका होनी चाहिए। हालाकि अग्रवाल समाज शुरू से ही देश के विकास में अपनी भागीदारी निभाता आ रहा है। यह उगार नरेन्द्र मोदी स्टेडियम के रमाडा बाय विंडहेम जीसीए क्लब में युवा अग्रवालों द्वारा अग्रवाल समाज के समग्र विकास हेतु आग्रसेतु के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए आईसीसी के चेयरमैन, बीसीसीआई के सचिव और एसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, अग्रवाल समुदाय के समग्र विकास के लिए समर्पित एक मंच, अग्रसेतु, आज आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया, जिसमें विचारकों, समुदाय के सदस्यों और हितधारकों को एक साथ लाया गया। यह मंच अग्रवालों को जीवन के कई पहलुओं - पेशेवर, व्यक्तिगत, सामाजिक और पर्यावरणीय - में सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें विकास, कल्याण और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संसाधनों और अवसरों का एक व्यापक सूट प्रदान किया गया है। इसी संकल्प को साकार करने के लिए 2036 का ओलंपिक खेल अहमदाबाद में आयोजित होने की पूरी संभावना है और मैं आप सभी देशवासियों को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं. कि भारत में आयोजित होने वाले ओलंपिक में देश 100 मेडल जितेगा जिसमें 30 मेडल गुजरात के खिलाड़ी जीतेंगे। जय शाह ने कहा कि जब उन्होंने

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में दिनेशचंद्र अग्रवाल, हनुमान प्रसाद गुमा, विजय गुप्ता, मोहन अग्रवाल और पी. के. बंसल सहित आग्रसेतु के संस्थापक एडवोकेट विरल अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, नीरव अग्रवाल, महावीर सिंघल सहित कार्यकारिणी के सदस्य सौए दिलीप जोधाणी, अंशुम गोयल, अर्पित नीवेटिया, रुपेश मित्तल, एडवोकेट क्रिष्णा चौधरी, धैर्य गुमा, सीए मुकेश अग्रवाल, डा. राहुल अग्रवाल, रीतिक गोहिल, श्रेय अग्रवाल, सुबोध अग्रवाल, तरुण अग्रवाल और विकास अग्रवाल उपस्थित थे।

अग्रसेतु के मुख्य सिद्धांत

1. व्यावसायिक विकासः अग्रसेतु सदस्यों को पेशेवर रूप से आगे बढ़ने में मदद करने के लिए विघोष

कैरियर के अवसर, सलाह और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम प्रदान करता है। अग्रवालों, उद्यमियों और विशेषज्ञों को जोड़ने वाले नेटवर्किंग कार्यक्रम सहयोग, और कैरियर के विकास सके अवसर प्रदान करते हैं। 2. व्यक्तिगत रक्तिगत विकासः यह मंच कार्य-जीवन संतुलन, गुणवत्तापूर्ण पारिवारिक समय और बाल विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए हुए आत्म-सुधार और परिवारों की भलाई को प्रोत्साहित करता है, जिससे सदस्यों को पूर्ण और पूर्ण जीवन जीने में सहायता मिलती है। स्वास्थ्य और कल्याणः अग्नसेतु शारीरिक फिटनेस, मानसिक कल्याण और आध्यात्मिकता को प्राथमिकता देने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देता है, जो सदस्यों को संतुलित जीवन जीने में सहायता करता है। 4. स्थिरता और सामाजिक जिम्मेदारीः अग्रसेतु स्थायी जीवन और पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में सक्रिय भागीदारी की वकालत करता है, जैसे किवृक्षारोपण और अपशिष्ट में कमी। सदस्य वंचितों के लिएशिक्षा और स्वास्थ्यसेवा का समर्थन करने वाली पहलों में भी शामिल होते हैं, जिससे एक ठोस सामाजिक प्रभाव पड़ता है। खेल और निरंतर सीखनाः अग्रसेतु खेल और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक सक्रिय बीवन शैली को प्रोत्साहित करता है, साथ ही व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए कार्यशालाओं सेमिनारों के माध्यम से आजीवन सीखने को बढ़ावा देता है।

# समर्थन मूल्य पर खरीफ फसलों की खरीद शुरू, मुख्यमंत्री ने हिम्मनगर से कराया राज्यव्यापी शुभारंभ

साबरकांठा (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर से मूंगफली, सोयाबीन, उड़द और मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी का राज्यव्यापी शुभारंभ कराया। मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के अंतर्गत किसानों को उनकी कृषि उपज का लाभकारी मूल्य प्रदान करने के उद्देश्य से यह खरीदी राज्य में 160 से अधिक केंद्रों के माध्यम से 90 दिनों तक की जाएगी। इसके लिए राज्य के 3.70 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण करवाया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा किसानों के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने जगत के तात को समृद्ध बनाने वाली अनेक कृषि कल्याण योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि यदि किसानों को पर्याप्त पानी, बिजली, खाद और फसल का मूल्य मिले, तो वे अपने कड़े परिश्रम से पूरे जगत की भूख मिटा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात में कृषि और किसान को सक्षम बनाने के लिए किए गए कार्यों के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने नर्मदा के व्यर्थ बह जाने वाले पानी को सिंचाई के लिए खेतों तक पहुंचाया। प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवरों का निर्माण और 'कैच द रेन' के तहत बोर बनवाए। यही नहीं, किसानों को पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध कराने का सुदृढ़ आयोजन भी प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में हुआ है। ऐसी सभी सफल आयोजनों के परिणामस्वरूप गुजरात में पिछले 23 वर्षों में हुए अभूतपूर्व कृषि विकास पर उन्होंने प्रकाश डाला। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य का सिंचित क्षेत्र आज 62 लाख हेक्टेयर हो गया है। इतना ही नहीं, कृषि क्षेत्र में उत्पादन भी बढ़कर 2.7 लाख करोड़ रुपए हो गया है। मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्राकृतिक खेती को प्राथमिकता देने की मुहिम चला रहे हैं। गुजरात में राज्यपाल आचार्य देवव्रत के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती क्षेत्र में बेहतर परिणाम मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसानों से कहा कि जल और जमीन को बचाने तथा रोगों से बचने के लिए प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे बढ़ना होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सभी लोगों को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प किया है। ऐसे में, हम सभी संकल्पबद्ध होकर विकसित भारत के निर्माण में विकसित गुजरात बनाकर अपना योगदान दें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जिले के किसानों को विभिन्न योजनागत सहायता के चेक वितरित किए गए।

कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा किसानों के लिए समर्थन मूल्य पर खरीदी के राज्यव्यापी शुभारंभ पर खुशी के साथ उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के उत्कर्ष के लिए कार्यरत है। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय दोगुनी करने का संकल्प किया है,जिसके अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा किसानों के लिए अनेक योजनाएं कार्यान्वित की गई है। इसके अलावा, किसानों के हित में विभिन्न फसलों के लिए समर्थन मूल्य घोषित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की फसल की पारदर्शी तरीके से और पर्याप्त मात्रा में खरीदी करने और उन्हें समय पर भुगतान करने का आयोजन किया गया है। कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए कृषि मेला जैसे आयोजनों के जरिए गुजरात ने कृषि क्षेत्र में काफी प्रगति की है, जिसके कारण राज्य के किसान आर्थिक रूप से सशक्त बने हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा अतिवृष्टि जैसे संकट में किसानों के लिए घोषित की गई सहायता का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री किसानों के कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहे हैं।

# कुछ लोग देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं, हम मिलकर रोकेंगे

स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

अहमदाबाद (ईएमएस)। कुछ लोग देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं। ये समाज को जाति, धर्म, भाषा, स्त्री-पुरुष, गांव-शहर में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। हमें मिलकर उन्हें रोकना है। यह बात सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी नारायण मंदिर के 200वें वर्षगांठ कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होकर कही। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत के हजारों साल पुराने केंद्रों का गौरव लौट रहा है। जिसे सभी ने नष्ट मान लिया था वो प्रकट हो रहा है। प्रधानमंत्री ने काशी और केदारनाथ मंदिर का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने विदेशों में देश से चोरी हुई सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियां वापस लाने की भी चर्चा की। मोदी ने अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा, 500 साल बाद एक सपने का पूरा होना, यानी 500 सालों तक कितनी ही पीढ़ियों ने उस सपने को जिया है। उसके लिए जूझते रहे हैं और जरूरत पड़ने पर बलिदान भी दिए हैं।

संत समाज से स्थानीय चीजों को प्रमोट करने का आग्रह

प्रधानमंत्री ने संत समाज को स्थानीय लोगों द्वारा बनाई गई चीजों को प्रमोट करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वामी नारायण संस्था के संत समाज को वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं की मांग पूरी दुनिया में है। भारत का युवा देश ही नहीं, विश्व की जरूरतें पूरी करने को तैयार है। भारत की विशेषता है कि जब भी मुश्किलें आई तब कोई न कोई, महर्षि, महात्मा अवतरित हुए हैं। भगवान स्वामी नारायण का आगमन भी उसी समय हुआ था जब देश सैकड़ों वर्ष की गुलामी के बाद कमजोर हो चुका था। तब भगवान स्वामी नारायण और अन्य संतों ने आध्यात्मिक ज्ञान दिया। साथ ही हमारी पहचान को पुनर्जीवित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वामी नारायण मंदिर की शाखाएं भारत के अलावा विदेशों में भी हैं। मेरा सभी संतो से निवेदन है कि वे विदेशों में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ के बारे में लोगों को बताएं। उन्होंने विदेश की हर एक शाखा से कम-से-कम 100 लोगों को कुंभ दर्शन के लिए लाने की अपील की। गुजरात के खेड़ा जिले के वडताल में 7 से 15 नवंबर तक स्वामी नारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ का उत्सव मनाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने इस मौके पर 200 रुपए के चांदी का सिक्का और स्मारक डाक टिकट जारी किया है।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96